RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 121 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

'शरबत जिहाद' हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी
रामदेव का बयान 'अक्षम्य'

नई दिल्ली (एजेंसी)। योग गुरू बाबा रामदेव को एक बार फिर कोर्ट ने करारी फटकार लगाई है। बाबा रामदेव के शरबत जिहाद वाले बयान पर दिल्ली हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति अमित बंसल ने कड़ा आदेश जारी करने की चेतावनी देते हुए कहा इससे न्यायालय की अंतरात्मा को आघात पहुंचा है, इसका कोई औचित्य नहीं था। अदालत ने रामदेव का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील से निर्देश प्राप्त कर अगली सुनवाई में मौजूद रहने का आदेश दिया है। साथ ही 5 दिन के अंदर वीडियो हटाने के निर्देश दिए हैं। योग गुरु बाबा रामदेव ने तीन अप्रैल को अपने शरबत ब्रांड का प्रचार करते हुए हमदर्द कंपनी के शरबत पर विवादित टिप्पणी की थी।

जानकारी के लिए बता दें कि बाबा रामदेव ने हाल ही में अपने एक शरबत के प्रचार के लिए देश के एक प्रतिष्ठित शरबत ब्रांड पर यह कहते हुए टिप्पणी की थी कि उस ब्रांड को खरीदने से देश में मदरसे बनेंगे।

हाईकोर्ट ने कहा, यह बयान अनुचित है और अदालत की चेतना को झकझोर देने वाला है। यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे हमदर्द लैबोरेटरीज ने रामदेव के एक बयान के खिलाफ दायर किया है। यह बयान हमदर्द के प्रसिद्ध उत्पाद 'रूह अफ़ज़ा' को लेकर दिया गया था।

हाई कोर्ट ने कहा कि इस बयान को किसी भी तरह से ठीक नहीं ठहराया जा सकता है यह अक्षम्य है। हमदर्द की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पेश हुए। रोहतगी ने दलील दी कि बाबा रामदेव का बयान हेट स्पीच के दायरे में आता है। यह बयान धार्मिक आधार पर समाज को बांटने वाला है।

उत्तर प्रदेश में 33 आईएएस अफसरों के तबादले, शिशिर सिंह का तबादला चर्चा में

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। कई सालों से जमे अधिकारियों को अब नई जिम्मेदारी दी गई है। सोमवार देर रात 33 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर कर दिए. इस लिस्ट में कई बड़े और चर्चित नाम शामिल हैं। साथ ही 11 जिलों के जिलाधिकारी भी बदले गए हैं।

प्रदेश सरकार ने सोमवार की देर रात 33 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। इनमें वाराणसी, हापुड़, आजमगढ़, बरेली, अंबेडकरनगर, गाजीपुर, झांसी, महोबा, कुशीनगर, संतकबीरनगर व भदोही के जिलाधिकारी और वाराणसी के मंडलायुक्त बदले गए हैं। निदेशक सूचना शिशिर की भी जिम्मेदारी बदल दी गई है।

बीते कई सालों से यूपी सरकार के (शेष पृष्ठ-4 पर)

किसे क्या नई जिम्मेदारी मिली

एल कोटेश्वर लू के पास से प्रमुख सचिव परिवहन और अध्यक्ष यूपीएसआरटीसी का चार्ज वापस लिया गया, इसकी जिम्मेदारी अब अमित गुप्ता को दी गई है। उन्हें प्रमुख सचिव परिवहन और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अध्यक्ष बनाया गया है।

प्रेरणा शर्मा : डायरेक्टर सूडा, अभिषेक पांडे : डीएम हापुड़, संजय कुमार मीणा : वीसी, मेरठ विकास प्राधिकरण, शास्वत त्रिपुरारी को मुख्य विकास अधिकारी गोरखपुर, रविंद्र कुमार द्वितीय : डीएम आजमगढ़, अविनाश सिंह : डीएम बरेली, नवनीत सिंह चहल : विशेष सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, अनुपम शुक्ला : डीएम अंबेडकरनगर, इंद्रजीत सिंह : विशेष सचिव ऊर्जा एवं डायरेक्टर पी नेडा, गौरव कुमार : नगर आयुक्त लखनऊ, (शेष पृष्ठ-4 पर)

कारखाने में लगी आग, एक की मौत

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद में कढ़ाई के कारखाने में भीषण आग लगने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार सिंह ने बताया कि रात्रि को डॉयल-112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि थाना लोनी बॉर्डर के शांति नगर मौहल्ले में एक कढ़ाई के कारखाने में आग लग गई जिसमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई तथा दो व्यक्ति घायल हो गए हैं। घायल व्यक्तियों के नाम मौहम्मद शाद पुत्र मौहम्मद शाहिद एवं सरफराज पुत्र नुर मौहम्मद निवासी गण प्रेम नगर थाना लोनी बॉर्डर है तथा मृतक व्यक्ति का नाम मुशीर उर्फ रिहान पुत्र सलाउददीन निवासी निडौरा रोड नयी बस्ती थाना लोनी है। मौके पर आग पर पूरी तरीके से नियन्त्रण पाया जा चुका है और यहाँ पर आग पूरी तरीके से समाप्त हो चुकी है।

कीमतों में भारी उछाल
सोना 1 लाख रुपये के पार

मुंबई (एजेंसी)। सोने की कीमतों हर रोज रिकॉर्ड बना रही हैं। सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार में मचे हाहाकार और डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट के बीच Gold ने फिर तगड़ी छलांग लगाई और मंगलवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी MCX पर कारोबार की शुरुआत होने के साथ

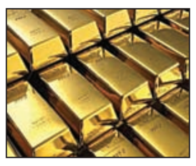

ही ये 1700 रुपये से ज्यादा की बढ़त के साथ 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार निकलकर नए ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया। घरेलू मार्केट की अगर (शेष पृष्ठ-4 पर)

एक्वा मेट्रो में 24 घंटे बाद भी ठीक नहीं हुआ टेक्निकल फॉल्ट

नोएडा (चेतना मंच)। सोमवार सुबह नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्वा लाइन मेट्रो लाइन के एक ट्रैक पर आई खराबी को 24 घंटे बाद भी ठीक नहीं किया जा सका है। नोएडा एक्वा मेट्रो के प्लेट फार्म नम्बर 1 से ही सभी ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

आपको बता दें कि सोमवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो का संचालन करीब एक घंटे तक प्रभावित रहा। डिपो स्टेशन से सेक्टर-51 की ओर जाने वाली मेट्रो लाइन के कई स्टेशनों पर मेट्रो के परिचालन पर इसका असर दिखाई दिया। परिचौक, सेक्टर-148, सेक्टर-143, सेक्टर-142, सेक्टर-137 सहित अन्य स्टेशनों पर मेट्रो को पांच मिनट से अधिक समय तक रोका गया जिससे ऑफिस जाने वाले लोगों को परेशानी हुई। एक्वा मेट्रो के सेक्टर-51 स्थित स्टेशन के प्लेट फार्म-2 (शेष पृष्ठ-4 पर)

निजिलिंगप्पा बने नोएडा प्राधिकरण के वित्त नियंत्रक
स्वतंत्र कुमार गुप्ता का जिम्स में हुआ तबादला

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में बतौर वित्त नियंत्रक के पद पर तैनात स्वतंत्र कुमार गुप्ता का तबादला हो गया है। उन्हें ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में वित्त नियंत्रक की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

नोएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

उत्तर प्रदेश शासन में विशेष सचिव संजीव सिंह ने इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किये हैं। कार्यालय आदेश के मुताबिक उप्र मंडी परिषद लखनऊ में वित्त नियंत्रक के पद पर तैनात रहे श्री निजिलिंगप्पा को नोएडा प्राधिकरण में बतौर नए वित्त नियंत्रक की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। विशेष सचिव ने कार्यलय आदेश में तत्काल प्रभाव से नये पदों पर पद भार ग्रहण करने के निर्देश दिये हैं।

एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर 29 को होगी संगोष्ठी

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के सहयोग से भारतीय जनता पार्टी द्वारा 29 अप्रैल को एक राष्ट्र-एक चुनाव पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने दी है।

श्री जैन ने बताया कि यह कार्यक्रम सेक्टर-51 स्थित वेडिंग विला में दोपहर 2:00 बजे आयोजित होगा। जिसमें सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा, नोएडा के विधायक पंकज सिंह, भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान तथा भाजपा के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत अग्रवाल विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे।

4 मई को स्टेडियम में होगी मैराथन दौड़

विकास जैन ने बताया कि 4 मई को नोएडा स्टेडियम में प्रात: 7:00 बजे मैराथन का आयोजन किया जाएगा। एक राष्ट्र-एक चुनाव को लेकर आयोजित इस मैराथन में नोएडा शहर के हजारों बच्चे, युवा, महिलाएं तथा प्रौढ़ हिस्सा लेंगे इसके लिए प्रवेश निशुल्क रहेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में

जनप्रतिनिधियों के अलावा शहर के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इस मौके पर किसी बॉलीवुड स्टार की भी आने की पूरी संभावना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई को : ऋचा उपाध्याय

नोएडा (चेतना मंच)। अपर जिला जज/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय ने बताया कि 10 मई को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषत: आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामलें, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हो वह मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जायेगे।

नोएडा में संपत्तियों की बढ़ी नई दरें हुई लागू
नोएडा प्राधिकरण ने जारी किया कार्यालय आदेश, वाणिज्यिक को छोड़ सभी में 6 फीसदी वृद्धि

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में विभिन्न श्रेणियों में संपित्तयों पर बढ़ाई गई नई दरें लागू कर दी गयी हैं। इस संबंध में नोएडा प्राधिकरण ने कार्यालय आदेश जारी कर नई दरें लागू कर दी हैं। 1 अप्रैल से दरें लागू मानी जाएंगी। अब जो भी संपत्ति का आवंटन होगा वह नई दरों के साथ होगा। इस प्रस्ताव को 28 मार्च को हुई बोर्ड बैठक में हरी झंडी दे दी गई है। वाणिज्यिक संपत्ति को छोड़कर सभी तरह की संपत्तियों में 6 फीसदी की वृद्धि की गई है।

इस बार वाणिज्यिक श्रेणी को छोड़कर प्राधिकरण ने आवासीय , संस्थागत (आईटी, आईटीईएस और डेटा सेंटर) , औद्योगिक (आईटी, आईटीईएस और डेटा सेंटर) के लिए भूमि आवंटन दर में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में आने वाली स्कीम भी इसी दर पर आवंटित की जाएगी।

इसके तहत औद्योगिक श्रेणी में 66,867 वर्गमीटर , संस्थागत में 3 लाख 4 हजार 321 वर्गमीटर , आवासीय में (शेष पृष्ठ-4 पर)

आवासीय सेक्टरों की नई दरें

ए-प्लस- सेक्टर-14ए, 15ए 44 (ब्लाक ए और बी)
ए- 14, 17, 19, 30, 35, 36, 39, 44, 47, 50, 51, 52, 93, 93ए, 93बी
बी-11, 12, 15, 20, 21, 22, 23, 25
से 29 , 31, 33, 34, 37, 40, 41, 46, 48, 49, 53, 55, 56, 61, 62, 70, 78, 82, 92, 96 से 100, 105, 108, 122सी- 42, 43, 45, 63ए, 104, 107, 110, 118, 119, 120, 121, 128, 129, 130, 131, 133, 134, 135, 137, 143, 143बी, 144, 151, 168
डी- 86, 112, 113, 116, 117
ई- 102, 115, 158, 162

संस्थागत संपत्तियों की नई दर

आरएंडडी, फिल्म ऑडियो, वीडियो स्टूडियो सेक्टर-1 से 16ए , फेज-1 में साक्षात्कार के जरिए होने वाले आवंटन की दर 73220 से बढ़ाकर 77620 रुपए प्रतिवर्गमीटर कर दी गई है। इसी तरह फेज-2 और फेज-3 एक्सप्रेस वे पर साक्षात्कार के जरिए 31760 प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 33670 रुपए प्रति वर्गमीटर की गई। वहीं ई निलामी के जरिए आईटी, आईटीईएस, डेटा सेंटर सेक्टर-1, 16ए और 24 में 73220 से 77620 रुपए प्रतिवर्गमीटर की गई। आईटी, आईटीईएस बायोटेक पार्क, डेटा सेंटर फेज-2 की दर 26000 से बढ़ाकर 27560 रुपए प्रतिवर्गमीटर, फेज-3 में 37340 प्रतिवर्गमीटर की दर को बढ़ाकर 39580 रुपए प्रतिवर्गमीटर कर दी गई है। वहीं नर्सरी स्कूल की दर साक्षात्कार के जरिए निकटम अवासीय सेक्टर की दर का 50 प्रतिशत और ई निलामी के जरिए आवंटर दर सेक्टर रेट के बराबर होगी।

ग्रुप हाउसिंग की दरों में बढ़ोतरी

ग्रुप हाउसिंग की दरो में इजाफा किया गया है। यहां आवंटन टेंडर और ई निलामी के जरिए की जाएगी। इसकी श्रेणी ए की आवंटन दर 183040 से बढ़कर अब 194030 रुपए प्रति वर्गमीटर कर दी गई है। श्रेणी बी की दर 122040 से बढाकर 129370 रुपए प्रति वर्गमीटर की गई है। वहीं श्रेणी सी में 109840 से बढ़ाकर 116430 रुपए प्रति वर्गमीटर श्रेणी डी की आवंटन दर 97650 प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 103510 रुपए प्रति वर्गमीटर और श्रेणी ई में 69170 प्रति वर्गमीटर से बढ़ाकर 73320 रुपए प्रति वर्गमीटर कर दी गई है।

औद्योगिक सेक्टर में नई दर फेज-1 के लिए

4000 वर्गमीटर तक के प्लाट ई नीलामी और साक्षात्कार के जरिए आवंटन दर 47490 से बढ़ाकर 50340 रुपए प्रतिवर्गमीटर की गई है। अगले 4001 से 20 हजार वर्गमीटर तक प्लाट का आवंटन दर 43820 से बढ़ाकर 46450 रुपए प्रतिवर्गमीटर, 20001 से 60 हजार वर्गमीटर तक 40190 से बढ़ाकर 42610 रुपए प्रतिवर्गमीटर 60001 वर्गमीटर से अधिक के प्लाट की दर 36550 से बढ़कर 38750 रुपए प्रतिवर्गमीटर कर दिया गया है। इसी में आईटी, आईटीईएस डेटा सेंटर के लिए 73220 प्रतिवर्गमीटर से बढ़ाकर 77620 रुपए प्रतिवर्गमीटर कर दिया गया है।

औद्योगिक सेक्टर-फेज-2 के लिए

प्रथम 4000 वर्गमीटर के लिए आवंटन दर 20480 से बढ़कर 21710 रुपए प्रतिवर्गमीटर, 4001 से 20 हजार वर्गमीटर तक के प्लाट की आंवटन दर 18, 460 रुपए प्रति वर्गमीटर से बढ़कर 19570 रुपए प्रतिवर्गमीटर, 20001 से 60 हजार प्रतिवर्गमीटर प्लाट की आवंटन दर 16990 से बढ़ाकर 18010 रुपए प्रतिवर्गमीटर कर दी गई है। वहीं आईटी, आईटीइएस डेटा सेंटर के लिए आवंटन दर 26 हजार से बढ़ाकर 27 हजार 560 प्रतिवर्गमीटर की गई। वहीं ट्रांसपोर्ट नगर की आवंटन दर 39000 से बढ़ाकर 41 हजार 340 रुपए प्रतिवर्गमीटर की गई।

ADMISSION OPEN
SARASWATI
GLOBAL
SCHOOL
NCERT
BOOKS
(Buy NCERT Books from any stationary shop)
Sector 22 Noida
Mob.8750611103

मनरेगा की चुनौतियां

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल ने इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है। जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन-यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। आधार कार्ड के जरिये भुगतान ऑनलाइन करने के बाद लाखों श्रमिक फर्जी पाये गए। निस्संदेह, योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े-लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है। दरअसल, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने योजना का मूल्यांकन करके कई रचनात्मक सुझाव दिए थे। जिसमें राज्यों में मजदूरी में एकरूपता लाने तथा काम के दिन बढ़ाने के भी सुझाव शामिल थे। जिस पर अब संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगाई है। साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी। लेकिन साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के बजट आवंटन में जो ठहराव पिछले दिनों देखने में आ रहा था, उसे भी दूर किया जाए। जिसको लेकर विपक्षी कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलती रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में लायी गई योजना को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये सुरक्षा कवच बताती रही है।

अदालतों से फटकार खाकर भी नहीं सुधर रही देश की पुलिस

नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गईं प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है।

पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकड़ने के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नज़र आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारुढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्यवाही करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्यवाही करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी

पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकड़ने के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है।

परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिके रहें। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारुढ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार-हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्षों में नहीं देखा। शीर्ष अदालत ने अप्राकृतिक मौत के मामले के पंजीकरण में देरी की आलोचना की। पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर देश में कई सुधार करने के प्रयास हुए हैं, किन्तु सत्तारुढ़ दलों के नेताओं ने ऐसे प्रयासों को नाकाम करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। स्वतंत्रता के बाद से ही, इस व्यवस्था में सुधार की मांग उठती रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार, अकुशलता और जनता में अविश्वास का कारण बनी हुई है।

पुलिस सुधारों के लिए कई आयोगों और समितियों का गठन किया गया। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और वर्ष 1971 में बनी गोर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें धूल खा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष 2006 में प्रकाश सिंह मामले में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश दिए। जिनमें यह भी शामिल था कि राज्य पुलिस प्रमुखों का दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल होगा। निर्देशों में राज्य सुरक्षा आयोगों की स्थापना, वरिष्ठ अधिकारियों के लिये निश्चित कार्यकाल और कानून एवं व्यवस्था से जाँच को अलग करना शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भी राज्यों ने पालना नहीं की। इसे देश के सभी राज्यों ने या तो लागू नहीं किया या फिर निर्देशों को आधे-अधूरे तरीके से लागू किया गया ताकि पुलिस में सत्तारुढ़ दलों का हस्तक्षेप पूरी तरह से बना रह सके। इन सिफारिशों को लागू नहीं करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिल्ली की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 72 प्रतिशत पुलिस अधिकारियों ने मामलों की जाँच करते समय राजनीतिक दबाव का अनुभव किया है। पुलिस प्रायः अत्यधिक बल का प्रयोग करती है, विशेषकर विरोध प्रदर्शनों और नागरिक अशांति से निपटने में। अप्रैल, 2017 से मार्च, 2022 तक पिछले पाँच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में मौत के कुल 669 मामले दर्ज किये गए। इसके अलावा, भारत में अपराध विज्ञान के क्षेत्र में इतने सारे अवसर होने के बावजूद, प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर केवल 0.33 फोरेंसिक वैज्ञानिक हैं, जबकि विदेशों में प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर 20 से 50 वैज्ञानिक हैं। पुलिस अधिकारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण इस मुद्दे को और भी गंभीर बना देता है।

एक रिपोर्ट में पाया गया कि देश में 11 राज्य पुलिस कर्मियों के लिये केवल एक कंप्यूटर/लैपटॉप था, जबकि कुछ बड़े राज्यों में वर्ष 2022 में 30 या उससे अधिक कर्मियों के लिये केवल एक प्रणाली थी। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लगातार प्रयासों के बावजूद देश में पुलिस बलों में केवल 11.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। प्रतिनिधित्व की यह कमी महिलाओं को अपराधों की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करती है और लिंग आधारित हिंसा के मामलों को ठीक से नहीं निपटा पाती। पुलिस अधिकारी कानून प्रवर्तन से लेकर चुनाव ड्यूटी तक अनेक भूमिकाएँ निभाते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त आराम या उचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। कम वेतन से व्यावसायिकता हतोत्साहित होती है और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ती है, जिससे जनता का विश्वास प्रभावित होता है।

पुलिस कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप ने व्यावसायिकता और स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया है। बार-बार स्थानांतरण, राजनीतिक विरोधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का दबाव और जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग ने कानून प्रवर्तन की विश्वसनीयता को कमज़ोर कर दिया है। राजद्रोह कानूनों का मनमाना प्रयोग तथा कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की लक्षित गिरफ्तारियाँ इस बात को उजागर करती हैं कि पुलिसिंग प्रायः विधि के शासन के बजाय राजनीतिक हितों से प्रेरित होती है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा वर्ष 2017 में कराए गए एक सर्वे के मुताबिक भारत में पुलिस विभाग सबसे ज्यादा भ्रष्ट है। अदालतों की समय-समय पर कड़ी फटकार के बावजूद देश में पुलिस का रवैया बदला नहीं है। यह सिलसिला तब तक जारी रहेगा, जब तक पुलिस नेताओं के हस्तक्षेप से मुक्त नहीं होगी।

- योगेन्द्र योगी

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जिनके अंश से गुणों की खान अगणित लक्ष्मी, पार्वती और ब्रह्माणी (त्रिदेवों की शक्तियाँ) उत्पन्न होती हैं तथा जिनकी भौंह के इशारे से ही जगत की रचना हो जाती है, वही (भगवान की स्वरूपा शक्ति) श्री सीताजी श्री रामचन्द्रजी की बाईं ओर स्थित हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

छबिसमुद्र हरि रूप बिलोकी। एकटक रहे नयन पट रोकी॥
चितवहिं सादर रूप अनूपा। तृप्ति न मानहिं मनु सतरूपा॥

शोभा के समुद्र श्री हरि के रूप को देखकर मनु-शतरूपा नेत्रों के पट (पलकें) रोके हुए एकटक (स्तब्ध) रह गए। उस अनुपम रूप को वे आदर सहित देख रहे थे और देखते-देखते अघाते ही न थे॥

हरष बिबस तन दसा भुलानी। परे दंड इव गहि पद पानी॥
सिर परसे प्रभु निज कर कंजा। तुरत उठाए करुनापुंजा॥

आनंद के अधिक वश में हो जाने के कारण उन्हें अपने देह की सुधि भूल गई। वे हाथों से भगवान के चरण पकड़कर दण्ड की तरह (सीधे) भूमि पर गिर पड़े। कृपा की राशि प्रभु ने अपने करकमलों से उनके मस्तकों का स्पर्श किया और उन्हें तुरंत ही उठा लिया॥

दो0-बोले कृपानिधान पुनि अति प्रसन्न मोहि जानि।
मागहु बर जोइ भाव मन महादानि अनुमानि॥

फिर कृपानिधान भगवान बोले- मुझे अत्यन्त प्रसन्न जानकर और बड़ा भारी दानी मानकर, जो मन को भाए वही वर माँग लो॥

(क्रमशः...)

राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनमोल योगदान

मां भारती के सपूत स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने जंगें आज़ादी के दौर में विजयदशमी के पावन पर्व के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना देश, संस्कृति व समाज हित के कार्यों को करने के उद्देश्य से की थी। इस संकल्प के चलते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करने में निरंतर लगा हुआ है। वैसे निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो आरएसएस के द्वारा किए गए कार्यों ने करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर के आज़ाद हुए भारत देश के निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से सकारात्मक योगदान देने का कार्य किया है। अपने शीर्ष नेतृत्व के सशक्त राष्ट्र, सभ्य समृद्धशाली समाज निर्माण के ओजस्वी विचारों के चलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का राष्ट्र निर्माण व सनातन धर्म की रक्षा करने में अनमोल योगदान रहा है। जिस योगदान को हम लोग आज भी देश के विभिन्न क्षेत्रों में आसानी से देख सकते हैं। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए आरएसएस ने देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर दिन-रात एकजुट होकर के काम किया है।

हालांकि देश की आज़ादी के संघर्ष के दौर से लेकर आज़ाद भारत तक में भी चंद राजनेताओं के क्षणिक राजनैतिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए स्वयंसेवक हमेशा से ऐसे लोगों के निशाने पर रहे हैं। ऐसी स्थिति के चलते ही राष्ट्र की आज़ादी व सशक्त राष्ट्र निर्माण की यात्रा में संघ के स्वयंसेवकों के अनमोल योगदान को दशकों तक सत्ता व सिस्टम में बैठे कुछ लोगों द्वारा अनदेखा किया गया। देश के चंद राजनेताओं ने धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए और केंद्र व राज्यों की सत्ता की कुर्सी हथियाने के लिए ओछी राजनीति करते हुए देश व दुनिया में संघ को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार करने का कार्य तक भी किया है और यह सब आज भी उनके अनुयायियों के द्वारा जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में कुछ राजनेताओं के द्वारा पैदा की गयी नकारात्मक स्थिति के बाद भी संघ के द्वारा निस्वार्थ भाव से कार्य करना हमेशा जारी रखा गया है। संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली ने कभी भी इस तरह की हालात की परवाह ना करते हुए, राष्ट्र व समाज हित के लिए अपना कार्य हमेशा निस्वार्थ भाव से करना जारी रखा और कभी भी संघ के इन स्वयंसेवकों ने इन कार्यों का श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं किया है।

हालांकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामने राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त सरकारों के दौर में शासन व प्रशासन के द्वारा बार-बार विकट स्थिति उत्पन्न करने के बावजूद संघ के स्वयंसेवकों ने कभी भी हिम्मत नहीं हारी, उन्होंने कभी भी राष्ट्र व समाज की सेवा करने के कार्यों को करने से मूंह नहीं मोड़ा, विपरीत से विपरीत स्थिति के बावजूद भी स्वयंसेवक निरंतर देश व समाज के हित के कार्य करने में लगे रहे। निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ हुए इस भेदभाव के चलते, लोगों को जंगें आज़ादी व उसके बाद के दौर में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निस्वार्थ भाव से देशहित में दिए गए अनमोल योगदान के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं है। उसके उल्ट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में लोगों को गलत तथ्यों के आधार पर आधी-अधूरी जानकारी देकर के कुछ नेताओं व संगठनों के द्वारा संघ की छवि को बट्टा लगाते हुए अपने हितों को साधने का कार्य निरंतर किया गया है। हालांकि सोशल मीडिया के इस दौर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में लोगों के बीच में जिज्ञासा पैदा करने का काम किया और आम लोगों के बीच संघ के बारे में पैदा की गयी ग़लत धारणाओं को सच्चाई के दम पर काफी हद तक समाप्त करने का कार्य किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से अब देश व दुनिया के आम लोगों को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा किए गए समय-समय पर राष्ट्र व समाज हित के कार्यों की जानकारी आसानी से मिलने लगी है।

लोगों को पता चलने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। जंगें आज़ादी के दौर में संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य निरंतर किया है। देश के दूरदराज इलाकों तक में भी अपनी 55000 शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश के युवाओं के एक बहुत बड़े वर्ग को अनुशासन में रहना सिखाते हुए, उनमें नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का कार्य बखूबी किया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ कार्यों की बानगी देखें तो जंगें आज़ादी के दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में योगदान देते हुए, समाज में राष्ट्रीय चेतना के भाव को जागृत करने का काम बखूबी किया था। जिसके चलते ही संघ के स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ भाव से देश के स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलनों में हिस्सा लेने का कार्य किया। संघ ने वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान पाकिस्तान से आए हुए विस्थापितों की बढ़-चढ़कर के सहायता करते हुए, उन लोगों के जान-माल की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का कार्य किया। संघ के स्वयंसेवकों ने अपनी जान की परवाह ना करते हुए महामारी के दौर में लोगों की बढ़-चढ़कर के मदद करने का कार्य हमेशा से ही किया है। संघ युद्ध के हालातों में भी माँ भारती के वीर सपूतों के साथ जंग के मैदान में निस्वार्थ भाव से हमेशा खड़ा नज़र आया है। संघ के स्वयंसेवकों की टोली अपने अनुशासन व ट्रेनिंग के दम पर ही तो देश में सामाजिक सेवा और आपदा प्रबंधन के कार्य में बढ़-चढ़कर के हिस्सा लेती आयी है। संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठनों ने समय-समय पर देश के विभिन्न हिस्सों में आयी प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, बाढ़, अग्निकांड, चक्रवाती तूफ़ान आदि), युद्ध और अन्य राष्ट्रीय संकटों के समय हमेशा राहत व बचाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर के सक्रिय भूमिका निभाने का कार्य किया है।

आज के व्यवसायिक दौर में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े हुए विभिन्न संगठन जैसे विद्या भारती, सेवा भारती जैसे संगठन शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में कार्यरत हैं। विद्या भारती जैसे संघ के संगठनों ने भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य पूरे देश में चला रखा है। देश में हजारों स्कूलों के माध्यम से लाखों छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा निरंतर प्रदान की जा रही है। शिक्षा के माध्यम से नैतिकता, देशभक्ति और सामाजिक समरसता जैसे मूल्यों को युवा पीढ़ी में स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। आज देश में 86 प्रांतीय एवं क्षेत्रीय समितियाँ विद्या भारती से संलग्न हैं। जिसके अंतर्गत 30,000 शिक्षण संस्थाओं में 9,00,000 शिक्षकों के मार्गदर्शन में 45 लाख छात्र-छात्राएं शिक्षा एवं संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। इनमें से 49 शिक्षक प्रशिक्षक संस्थान एवं महाविद्यालय, 2353 माध्यमिक एवं 923 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, 633 पूर्व प्राथमिक एवं 5312 प्राथमिक, 4164 उच्च प्राथमिक एवं 6127 एकल शिक्षक विद्यालय तथा 3679 संस्कार केंद्र हैं। आज देश के विभिन्न हिस्सों के नगरों और ग्रामों में, वनवासी और पर्वतीय क्षेत्रों में झुग्गी-झोंपड़ियों में, शिशु वाटिकाएं, शिशु मंदिर, विद्या मंदिर, सरस्वती विद्यालय, उच्चतर शिक्षा संस्थान, शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र और शोध संस्थान हैं। देश में इन सरस्वती मंदिरों की संख्या अब भी निरंतर बढ़ रही है और आज विद्या भारती भारत में सबसे बड़ा गैर सरकारी शिक्षा संगठन बन चुका है।

- दीपक कुमार त्यागी / हस्तक्षेप
अधिवक्ता, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष नवमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
व्यवसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट कचहरी में विजय होगा। संतान और प्रेम का साथ होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी मत करिएगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य अच्छा। जीवनसाथी का साथ अच्छा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान का साथ है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
लिखने-पढ़ने के लिए सही समय। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लेखकों के लिए अच्छा समय।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बनेगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
धन की स्थिति मजबूत होगी। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है। व्यापार अच्छा है। स्वास्थ्य अच्छा है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। समाज में सराहे जाएंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं जीवन में होंगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन व्याकुल रहेगा। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा रहेगी। प्रेम, संतान मध्यम।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक स्थिति मजबूत होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम, संतान अच्छा।

प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक चौहान को 'लिवर चैंपियन अवार्ड'

पीएम के विकसित भारत लक्ष्य के लिए स्वस्थ्य समाज जरूरी : डॉ. अशोक चौहान

नोएडा (चेतना मंच)। देश के प्रसिद्ध शिक्षण समूह एमिटी के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक चौहान को बड़ा सम्मान दिया गया है। प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक चौहान को यह सम्मान दिल्ली के उपराज्यपाल डॉ. वी.के. सक्सेना ने देश के गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में प्रदान किया।

आपको बता दें कि एमिटी शिक्षण समूह भारत ही नहीं कई विदेशी देशों में भी अपनी शाखाएं खोलकर लाखों छात्रों को आधुनिक शिक्षा के माध्यम से उनके भविष्य को संवार रहा है। साथ ही एमिटी समूह के संस्थानों ने 'सहानुभूति अभियान' और 'प्रोजेक्ट प्रकाश' जैसी राष्ट्रीय पहलों के प्रभाव को बढ़ाने में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एमिटी शिक्षण संस्थान समूह की स्थापना प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. अशोक चौहान ने की है। एमिटी शिक्षण समूह द्वारा भारत में नये विषय पर शोध को लेकर भी बड़ा काम किया जा रहा है। एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध

शिक्षाविद डॉ. अशोक चौहान को लिवर स्वास्थय के क्षेत्र में जागरूकता फैलाने के लिए नई दिल्ली के उपराज्यपाल डा. वी के सक्सेना द्वारा देश के गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिती में "लिवर चैंपियन अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान नई दिल्ली के इंस्टीटयूट्स ऑफ लिवर एंड बिलियरी सांइसेस (आइएलबीएस) द्वारा विश्व लिवर दिवस पर 'स्वस्थ्य लिवर – स्वस्थ्य भारत' कार्यक्रम में प्रदान किया गया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता और आइएलबीएस के निदेशक डा एस के सरीन भी उपस्थित थे।

'लिवर चैंपियन अवार्ड' से सम्मानित होने के बाद एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध शिक्षाविद डा अशोक कुमार चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एक स्वस्थ समाज का होना बेहद महत्वपूर्ण है। लिवर जो शरीर के महत्वपूर्ण अंगो में से प्रमुख अंग है उसको स्वस्थ बनाये रखने के लिए जागरूक रहना जरूरी है। भारत का स्वास्थ्य दर्शन सभी के सुखी एंव रोगमुक्त होने की कामना करता है और यह सर्वहिताय का भाव प्राचीन समय से भारत के डीएनए में है। डॉ. चौहान ने कहा कि आप खान पान पर नियंत्रण करके, शराब व अन्य नशीली वस्तुओं के सेवन से बच कर अपने लिवर को स्वस्थ बना सकते है जिससे ना केवल शरीर स्वस्थ होगा बल्कि समग्र स्वस्थ समाज का निर्माण होगा जो विकसित भारत की सफलता का प्रथम पायदान है। आज देश में सरकार द्वारा लोगों के स्वास्थय को लेकर विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। गृहमंत्री, उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री की उपस्थिती ही कार्यक्रम और उसके विषय के महत्व को दर्शा रही है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में देश के जाने माने चिकित्सक और अधिकारी उपस्थित थे।

पुस्तक 'सम्मा सती-द राइट माइंडफुलनेस' का विमोचन

ग्रेटर नोएडा/नई दिल्ली (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में प्रबंधक के पद पर तैनात डॉ0 कमलेश मणि चौधरी द्वारा लिखित पुस्तक 'सम्मा सती–द राइट माइंडफुलनेस' का हिंदी भवन, दिल्ली के ऑडिटोरियम में रविवार को हुआ। पुस्तक का विमोचन विश्व विख्यात प्रखर राष्ट्रवादी वीर रस के कवि डॉ0 हरिओम पवार ने किया। साहित्य प्रेमी मंडल संस्था द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में पुस्तक का विमोचन करते हुए डॉ हरिओम पावर ने कहा कि डॉ कमलेश चौधरी की पुस्तक आध्यात्मिक जागरूकता की दिशा में एक उत्कृष्ट प्रयास है। इस अवसर पर पद्मश्री सुरेन्द्र दुबे, डॉ0 विष्णु सक्सेना, डॉ0 प्रवीण शुक्ल, डॉ बृजेश श्रीवास्तव, डॉ कीर्ति काले ने भी 'सम्मा सती–द राइट माइंडफुलनेस' पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि इस पुस्तक में जीवन को सजगता से जीने के तरीकों को बहुत प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया हैं। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली विधानसभा के स्पीकर बृजेन्द्र गुप्ता तथा सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी उपस्थित रहे।

भाटी गोत्र का इतिहास, 12वीं शताब्दी से जुड़ा है : प्रधान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाटी गोत्र का इतिहास 12वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, जब जैसलमेर के एक प्रमुख भाटी सरदार राजा राव कौशल ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान की सेना में सेनापति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। युद्ध और शासन के सिलसिले में राजा राव कौशल दिल्ली के समीप कासमगढ़ (वर्तमान कासना) पहुंचे और यहीं बस गए। यह स्थान रानी सती निहालदे के नौलखा बाग के नाम से भी प्रसिद्ध रहा है। यह बात हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष चैनपाल ने कही है।

उन्होंने कहा कि उस समय इस क्षेत्र में चारों ओर भाटी गुर्जरों की प्रचुर जनसंख्या थी, जिसके कारण यह इलाका ऐतिहासिक रूप से भटनेर के नाम से जाना जाने लगा। राजा राव कौशल की दो पत्नियाँ थीं—एक गुर्जर समुदाय की, जो दनकौर के रीलखा गांव की कसाना गोत्र से थीं। उनसे उत्पन्न वंश गुर्जर भाटी कहलाया। दूसरी पत्नी राजपूत वंश से थीं, जिनकी संतानों से राजपूत भाटी उत्पन्न हुए।

श्री प्रधान ने कहा कि राजपूत भाटी वंशजों ने घोड़ी बछेड़ा, रबूपुरा, फलेदा और आस–पास के अनेक गांवों में बसावट की। इतिहासकारों के अनुसार, मुगल शासक औरंगजेब के काल में इनमें से कुछ परिवारों ने इस्लाम धर्म अपना लिया और तिल दौला, मंडपा जैसे गांवों की नींव रखी, जो आज भी मुस्लिम भाटियों की विरासत को संजोए हुए हैं। यह इतिहास न केवल क्षेत्रीय पहचान का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक–सांस्कृतिक विविधता का भी परिचायक है, जो आज भी गौतमबुद्धनगर की भूमि पर देखने को मिलती है।

20 मई देशव्यापी हड़ताल को लेकर मजदूर संगठनों ने किया संयुक्त कन्वेंशन

नोएडा (चेतना मंच)। मजदूर विरोधी लेबर कोडों को रद्द करने एवं अन्य कई लंबित मांगों को लेकर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों/फेडरेशनों के संयुक्त आह्वान पर 20 मई 2025 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को जनपद गौतम बुद्ध नगर में सफल बनाने के लिए आज इंटक, एटक, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीसी, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ, यूपीएलएफ, टीयूसीआई व जनपद के अन्य मजदूर संगठनों/ट्रेड यूनियनों के कार्यकर्ताओं का संयुक्त कन्वेंशन सेक्टर–3 पार्क में संपन्न हुआ।

कन्वेंशन में विचार–विमर्श के बाद यह तय किया गया कि 1 मई 2025 को मजदूर दिवस पर अपने–अपने संस्थानों/कार्यालयों में झंडारोहण करने के बाद प्रात 10.30 बजे जिलाधिकारी कार्यालय, सूरजपुर, ग्रेटर नोएडा पर प्रदर्शन कर शासन–प्रशासन को हड़ताल का नोटिस/ज्ञापन सौंपा जाएगा।

साथ ही यह भी तय किया गया कि सभी औद्योगिक क्षेत्रों एवं मजदूर बस्तियों में पर्चा वितरण, नुक्कड़ सभा, बाइक रैली और माइक प्रचार किया जाएगा। व्यापक संपर्क अभियान चलाकर जनपद में हड़ताल को पूर्ण रूप से सफल बनाने का निर्णय लिया गया। कन्वेंशन को इंटक नेता संतोष तिवारी, एचएमएस नेता रितेश झा, टीयूसीआई नेता उदय चंद्र झा, एक्टू नेता सुखबीर, यूपीएलएफ नेता राम नरेश यादव, सीटू नेता पीवी अनियन, रामसागर, गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामस्वारथ, मुकेश कुमार राघव, अमीचंद, रणजीत सिंह सहित कई मजदूर संगठनों के नेताओं ने संबोधित किया।

सीटू का धरना-प्रदर्शन कल

नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड सेक्टर–16 के प्रबंधन द्वारा संस्थान में वर्षों से स्थायी रूप से कार्यरत श्रमिकों का लगातार आर्थिक शोषण और उत्पीड़न किया जा रहा है। श्रमिकों को संस्थान में लागू वेतनमान के अनुसार भुगतान नहीं किया जा रहा है। जब श्रमिकों ने संगठित होकर इस अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई, तो 17 से 21 अप्रैल के मध्य 16 कर्मचारियों को गैरकानूनी तरीके से नौकरी से निकाल दिया गया।

इसके विरोध में आज कर्मचारियों ने एक सभा आयोजित की, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि जब तक प्रबंधन सभी श्रमिकों को पुनः कार्य पर नहीं रखता, तब तक कर्मचारी 23 अप्रैल 2025 से संस्थान के मुख्य द्वार के समक्ष, ड्यूटी पर आते और ड्यूटी समाप्त होने के समय गेट मीटिंग कर नारेबाजी करेंगे। कार्य से रोके गए सभी श्रमिक कॉन्ट्रैक्ट लेबर एम्प्लाइज यूनियन (सीटू) के झंडे और बैनर के साथ प्रातः 8.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक संस्थान के मुख्य द्वार पर धरने पर बैठेंगे।

सुरजपुर बाराही मेला में रागनियों की गूंज

सांस्कृतिक संवर्धन के लिए शिव मंदिर सेवा समिति को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ऐतिहासिक बाराही मेला का ग्यारहवां दिन संस्कृति, परंपरा और जनसमुदाय की भागीदारी के लिहाज से बेहद खास और प्रभावशाली रहा। लोक रागनियों की गूंज, नन्हे–मुन्ने बच्चों की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ और पारंपरिक लोकनृत्य की मनमोहक झलक ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया।

रविंद्र बैसला एंड पार्टी के कलाकारों कोमल चौधरी, जनक राज चंदीला, उदयवीर बैसला, अंजली शर्मा और बाल कलाकार प्रवीण बैसला ने एक से बढ़कर एक रागनियाँ प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। महाभारत के कर्ण–कुंती संवाद, भीम द्वारा गौ–रक्षा और कृष्ण–सुभद्रा संवाद पर आधारित मंचन ने दर्शकों से खूब तालियाँ बटोरीं।

हरियाणा की लोकप्रिय कलाकार सोनम बागडो ने अपने जीवंत नृत्य से मंच पर धूम मचा दी। वहीं, शिव

मंदिर सेवा समिति द्वारा प्रोत्साहित कलाकार प्रलय किशोर ने अपनी तो जैसे–तैसे गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं का मन मोह लिया।

सूरजपुर के नरेंद्र शर्मा, सुनील शर्मा और राजवीर शर्मा जैसे स्थानीय कलाकारों ने भजन और रागनियों से खूब सराहना हासिल की। मंच पर शिव मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महामंत्री ओमवीर बैसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा और समिति के अन्य पदाधिकारियों द्वारा कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

उमा पब्लिक स्कूल और ग्रीन पब्लिक स्कूल सूरजपुर के छात्रों ने गीत–संगीत और सामाजिक विषयों पर आधारित नाटकों से दर्शकों का दिल जीत लिया। एक ओर ग्रीन स्कूल की ओर से महिला सुरक्षा पर नाटक प्रस्तुत किया गया, वहीं उमा स्कूल के बच्चों ने शिक्षा और राष्ट्रनिर्माण पर प्रेरणात्मक नाटिका मंचित की। ग्रीन नोएडा पब्लिक स्कूल की एक छात्रा ने मुल्तान नृत्य से खूब तालियाँ बटोरीं।

कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवी अमित पहलवान, बालवीर प्रधान, साहित्यकार भगवत शर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष महेश शर्मा एवं चौकी प्रभारी अनिल कुमार सिंह का मंच पर माल्यार्पण और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया।

जीपीएल एकेडमी टूर्नामेंट सूरजपुर की ओर से शिव मंदिर सेवा समिति को स्थानीय सांस्कृतिक संवर्धन हेतु मंच पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी ने कहा, पिछले 25 वर्षों से समिति क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ–साथ नई प्रतिभाओं को मंच देने का कार्य कर रही है। बाराही मेला इस उद्देश्य का सशक्त माध्यम बन चुका है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी–85 सेक्टर–6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए–131 सेक्टर–83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक–रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

कवि सम्मेलन के साथ संपन्न हुआ 'ज़िंदगी का सफरनामा' पुस्तक का विमोचन

त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव की आत्मकथा 'ज़िंदगी का सफरनामा' मरणोपरांत हुई प्रकाशित

गाजियाबाद (चेतना मंच)। क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित विंड बैंक्वेट हॉल, ऑर्बिट प्लाज़ा में रविवार को हिंदी श्री पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित त्रिलोकी नाथ श्रीवास्तव की आत्मकथा ज़िंदगी का सफरनामा का भव्य विमोचन समारोह संपन्न हुआ। यह विमोचन कार्यक्रम मुख्य अतिथि प्रीति मिश्रा (पत्नी माननीय कपिल मिश्रा, कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार) एवं प्रतिष्ठित साहित्यकारों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसके साक्षी बने सैकड़ों साहित्यप्रेमी।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से पूर्व लेखक के परिवार की ओर से गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से हुई। आयोजकों मुकेश चंद्र श्रीवास्तव एवं अनीता श्रीवास्तव ने मंचासीन मुख्य अतिथि प्रीति मिश्रा, मिर्जापुर से पधारे वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि आनंद अमित, गाजियाबाद से आई कवयित्री नंदिनी श्रीवास्तव, आत्मकथा के संपादक डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव 'शिखर' सहित अन्य अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन अंगवस्त्र से किया। मंजरी, डॉ. पियूष एवं दिनेश श्रीवास्तव ने अन्य अतिथियों का अभिनंदन किया।

स्वागत उपरांत पुस्तकों का विमोचन मंचासीन अतिथियों एवं सह–अतिथियों—डॉ. स्वदीप श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, डॉ. उदय कुमार, सिद्धार्थ, आयोजक मुकेश चंद्र श्रीवास्तव एवं अनीता श्रीवास्तव—के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ।

हिंदी श्री पब्लिकेशन की ओर से पुस्तक के संपादक डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव 'शिखर' को हिंदी श्री साहित्य प्रखर सम्मान तथा आयोजकद्वय मुकेश चंद्र श्रीवास्तव एवं अनीता श्रीवास्तव को हिंदी श्री साहित्य प्रसार सम्मान अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर प्रदान किया गया।

त्रिलोकी नाथ जी की इस आत्मकथा में पाठकों को संयुक्त परिवार का प्रेम, कर्तव्य, धर्म, संस्कृति एवं संस्कारों का अनुपम संगम देखने को मिलता है। यह पुस्तक हिंदी श्री पब्लिकेशन द्वारा नेशनल लाइब्रेरी, कोलकाता में भी संग्रहित की गई है।

मंजुला, ममता, मृदुला, रवि, डॉ. स्वदीप आदि ने पुस्तक एवं रचनाकार की स्मृतियों को साझा करते हुए भावविभोर होकर अपने–अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने आत्मकथा की प्रासंगिकता पर साहित्यिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से प्रकाश डाला।

आत्मकथा के संपादक डॉ. मिथिलेश ने कहा, त्रिलोकी नाथ जी की यह आत्मकथा भले ही उनकी स्वर्ग यात्रा के अठारह वर्ष बाद प्रकाशित हुई है, परंतु इस रचना के माध्यम से वे सदैव अमर हो गए हैं।

डॉ. मिथिलेश द्वारा ग़ज़ल पाठ के उपरांत आमंत्रित कवि आनंद अमित एवं कवयित्री नंदिनी श्रीवास्तव ने ग़ज़ल, गीत एवं काव्य पाठ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन अनीता श्रीवास्तव ने किया, वहीं जयपुर, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर से आए अतिथियों एवं क्रॉसिंग तथा एनटीपीसी से जुड़े सभी गणमान्य जनों का आभार मुकेश चंद्र श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

खास खबर

रेवंत रेड्डी ने ओसाका एक्सपो में तेलंगाना जोन का उद्घाटन किया

हैदराबाद। जापान की यात्रा पर गए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को ओसाका एक्सपो में भारत मंडप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने घोषित किया कि तेलंगाना ओसाका एक्सपो में शामिल होने वाला पहला भारतीय राज्य बन गया है। ओसाका एक्सपो पांच साल में एक बार आयोजित किया जाता है और यह क्षेत्रों के इकोनॉमिक और कला-सांस्कृतिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के विकास के लिए जापानी एजेंसियों से मदद मांगी और हैदराबाद मेट्रो रेल चरण-2 परियोजना के लिए भी जेआईसीए से ऋण की मांग की इस साझेदारी के माध्यम से, तेलंगाना की कला, संस्कृति, व्यापार और पर्यटन क्षमता को दुनिया भर में प्रस्तुत किया जाएगा। इसे निवेशकों के ध्यान में भी लाने का प्रयास किया जाएगा।

एटीएम से कैश निकालना और बैलेंस चेक करना होगा महंगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंकिंग ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई है, जिसके अनुसार एटीएम तकनीकियों का उपयोग करने पर 1 मई 2025 से चार्जों में बढ़ोतरी की जा रही है। यह नया नियम खासकर एटीएम से कैश निकालने और बैलेंस चेक करने वाले ग्राहकों को प्रभावित करेगा। कैश निकासी का शुल्क 17 से बढ़कर 19 रुपए प्रति ट्रांजैक्शन होगा, बैलेंस चेक का शुल्क 6 से बढ़कर 7 प्रति ट्रांजैक्शन होगा, मेट्रो शहरों में 5 और नॉन-मेट्रो क्षेत्रों में 3 फ्री ट्रांजैक्शन के बाद ये नए चार्ज लागू होंगे। बड़े बैंकों जैसे की स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भी अपने एटीएम नियमों में परिवर्तन किए हैं। एसबीआई ग्राहकों के लिए नए फ्री ट्रांजैक्शन और चार्जों के बारे में आंकड़ों की जानकारी दी गई है जो 1 फरवरी 2025 से लागू होंगे।

ईरान-अमेरिका न्यूक्लियर डील से गिरी क्रूड ऑयल की कीमतें

न्यूयॉर्क। अमेरिका और ईरान के बीच न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर हुई वीकेंड वार्ता में अहम प्रगति हुई है। उनके सूत्रों के मुताबिक, दोनों देशों ने संभावित परमाणु समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। इस डील के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईरान से कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर बनी अनिश्चितता काफी हद तक कम हो गई है। इस खबर के सीधे असर कच्चे तेल की कीमतों पर देखने को मिला। सोमवार को ब्रेंट क्रूड में करीब 1.03 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह 67.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिए) क्रूड भी 1.05 फीसदी की गिरावट के साथ 64 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

उच्च मांग से जिंक वायदा कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। हाजिर मांग में तेजी के बीच वायदा कारोबार में सोमवार को जस्ता की कीमत 80 पैसे की तेजी के साथ 248.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में मई डिलीवरी के लिए जस्ता अनुबंध की कीमत 80 पैसे (0.32 प्रतिशत) की तेजी के साथ 248.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 2,008 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि उपभोक्ता उद्योगों की मांग में तेजी के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में जस्ता कीमतों में तेजी आई।

भारत के लिए सरसों की खली निर्यात करने का मौका

नई दिल्ली। चीन और कनाडा के बीच टैरिफ युद्ध के मद्देनजर, भारत के लिए एक बड़ा सुनहरा मौका उभरा है। सूत्रों के अनुसार, भारत अब चीन को सरसों की खली का निर्यात कर सकता है। यह नई व्यापारिक अवसर भारत के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये का फायदा लाभान्वित कर सकता है। सरसों की खली, जो सरसों का तेल निकालने के बाद बची रह जाती है, एक मूल्यवान उत्पाद है जिसकी चीन में बहुत बढ़ती मांग है। भारतीय उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशनने वाणिज्य मंत्रालय को एक पत्र लिखकर चीन के लिए सरसों की खली निर्यात करने की संभावना को उजागर किया है।

भारत को इस साल अमेरिका के साथ व्यापार समझौता पूरा होने की उम्मीद : सीतारमण

- कोविड-19 महामारी के दौरान हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया
- सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के हित में है, जिसके साथ हमें समझौता करने की जरूरत है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को इस शरद ऋतु तक भारत का अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का पहला भाग सकारात्मक रूप से संपन्न होने की उम्मीद जताई है। वह दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लेने के लिए अमेरिका के दौरे पर हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा, अमेरिका के साथ बातचीत का उद्देश्य केवल पारस्परिक टैरिफ संबंधी मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार के हित में है, जिसके साथ हमें समझौता करने की जरूरत है। सीतारमण ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को में इंडिया कम्युनिटी सेंटर में आयोजित एक सामुदायिक सभा में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की। सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान हमारा राजकोषीय घाटा बढ़ गया, लेकिन 2021 में हमने स्पष्ट संकेत दिया कि हम अपने राजकोषीय घाटे को कैसे प्रबंधित करना चाहते हैं। हमने साल-दर-साल लक्ष्य निर्धारित किए और 2026 तक राजकोषीय घाटे को 4.5 फीसदी से नीचे लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम हर साल बिना चूके इसी का पालन कर रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पांच दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं, जहां वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों तथा जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में शामिल होंगी। इसके अलावा उनका अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेन्ट से भी मिलने का कार्यक्रम है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों से भी बात करने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रिक कार ईवी3 को मिला 2025 वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर का खिताब

नई दिल्ली। कारों का निर्माण करने वाली कंपनी किआ की इलेक्ट्रिक कार ईवी3 को 2025 वर्ल्ड कार ऑफ द ईयर का खिताब दिया गया है। अब तक कंपनी के लिए छठी बार यह पुरस्कार हासिल करने का मौका है। इस बार, किआ ईवी3 ने बीएमडब्ल्यू एक्स3 और हयूदै इंसटेर/कैस्पर इलेक्ट्रिक जैसी प्रमुख गाड़ियों को हराकर यह खिताब जीता। यह फैसला 30 देशों के 96 अंतरराष्ट्रीय ऑटो जर्नलिस्ट्स की निर्णायक मंडली ने लिया। किआ ईवी3 को किआ के ई-जीएमपी मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है और यह कंपनी के इलेक्ट्रिक लाइनअप में ईवी9, ईवी6 और ईवी5 के नीचे आती है। इसमें विभिन्न बैटरी पैक ऑप्शन दिए गए हैं, और किआ के मुताबिक, एक बार चार्ज करने पर यह कार 605 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है। किआ की वर्ल्ड कार अवॉर्ड्स में अब तक की उपलब्धियां भी काफी सराहनीय रही हैं।

अमित अग्रवाल को मिला डॉक्टरेट की उपाधि

रांची। राजधानी रांची के रियल एस्टेट व्यापारी एवं सोशियल उद्यमी अमित अग्रवाल को यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के मैरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के तरफ से डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया। इनको डॉक्टरेट की उपाधि बिजनेस मैनेजमेंट एवं सोशल वर्क के क्षेत्र में प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान नई दिल्ली के भारतीय संविधान क्लब में आयोजित इंडिया इंटेलेक्चुअल कॉन्क्लेव अवार्ड 2025 में मिला। उनकी इस उपलब्धि पर शहर के कई गणमान्य लोगों ने बधाई और शुभकामनाएं दी है। ज्ञात हो कि डॉ॰ अमित अग्रवाल पिछले 20 वर्षों से रियल एस्टेट व्यवसाय में जुड़े है। साथ ही ये रोटरी क्लब, फेडरेशन ऑफ झारखंड चेम्बर, मारवाड़ी युवा मंच आदि संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हैं। रांची शहर की प्रतिष्ठित संस्था रोटरी क्लब ऑफ रांची के आगामी वर्ष 2025-26 के अध्यक्ष होंगे। इस कॉन्क्लेव में न्यायमूर्ति एम.एल. मेहता (पूर्व न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय), न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया, (पूर्व न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय अध्यक्ष, राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, रायपुर), न्यायमूर्ति लोकपाल सिंह (सेवानिवृत्त न्यायाधीश, उत्तराखंड उच्च न्यायालय), लीसा न्कोसिनाथी मंगकु, (पूर्व उप मंत्री, परिवहन मंत्रालय; पूर्व सांसद, दक्षिण अफ्रीका; अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस), डॉ. अभिषेक वर्मा (भारतीय अरबपति उद्योगपति; शिवसेना के लिए राष्ट्रीय गठबंधन एवं चुनाव प्रमुख), ललातियाना अकूशे (सेशेल्स की भारत में उच्चायुक्त अशोक सम्मान), मोहम्मद मालिकी (मोरक्को साम्राज्य के भारत स्थित राजदूत), सामिया इसरत रोनी (राजनीतिक मंत्री, बांग्लादेश उच्चायोग, नई दिल्ली), आरके भटनागर, आईएएस (पूर्व जिलाधिकारी एवं विभिन्न जिलों के आयुक्त),अनंत देव, आईपीएस (पूर्व डीआईजी, एसटीएफ), डॉ. ए.पी. मुहम्मद अब्दुल हकीम (अजहरी अल कादी रेक्टर, जामिया मरकज, केरल), डॉ. संदीप मिश्रा (पूर्व कुलपति, एनआईएमएस यूनिवर्सिटी, जयपुर), डॉ. विक गैफनी (विश्वविद्यालय प्रतिनिधि, कानून विशेषज्ञ, ऑस्ट्रेलिया), इंग्लैंड, जर्मनी, कोरिया, अफगानिस्तान तथा अन्य देशों के सम्मानित अतिथि गण उपस्थित थे।

सोने और चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले दिन सोमवार को सोने के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। बीते हफ्ते शुक्रवार की तुलना में सोना सस्ता हुआ है। देश के ज्यादातर राज्यों में सोने का भाव 97,700 रुपये के ऊपर ही कारोबार कर रहा है। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ वार के कारण सोना नए पीक लेवल के आसपास ही कारोबार कर रहा है। चांदी का भाव 99,900 रुपये पर है। चांदी के भाव बीते शुक्रवार के भाव के आसपास ही कारोबार कर रहे हैं। सोमवार 21 अप्रैल 2025 को दिल्ली में 22 कैरेट सोने का दाम 89,590 रुपये और 24 कैरेट सोना 97,720 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। मुंबई में 22 कैरेट सोना 89,440 रुपये और 24 कैरेट सोना 97,580 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। बीते शुक्रवार की तुलना में सोने के भाव में मामलू करेक्शन आया है।

नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो जल्द होगा लांच

एजेंसी

नई दिल्ली। चीन में ऑनर कंपनी 23 अप्रैल को अपने नए स्मार्टफोन हॉनर जीटी प्रो को लॉन्च करने जा रहा है। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन द्वारा वीबो पर की गई एक पोस्ट में इस स्मार्टफोन के बारे में जानकारी दी गई है। पोस्ट में बताया गया कि इस फोन ने अंतूतू बेंचमार्क पर 3,444,323 पॉइंट्स हासिल किए हैं, जो किसी भी डिवाइस द्वारा अब तक का सबसे बड़ा स्कोर हो सकता है। हालांकि टिपस्टर ने फोन का नाम स्पष्ट नहीं किया, लेकिन पोस्ट में दिख रहे स्टेटस बार के एलिमेंट्स से यह अंदाजा लगाया गया है कि यह हॉनर जीटी प्रो ही हो सकता है। इसके साथ ही इस स्मार्टफोन की प्री-ऑर्डर लिस्टिंग भी चीन में शुरू हो चुकी है, जो चार वेरिएंट्स में उपलब्ध होगा - 12जीबी प्लस 256जीबी, 12जीबी प्लस 512जीबी,

16जीबी प्लस512जीबी और 16जीबी प्लस 1टीबी। फोन में 144एचझेड रिफ्रेश रेट वाला डिस्प्ले होगा, जो यूजर्स को स्मूथ और फास्ट विजुअल एक्सपीरियंस देगा। इसके साथ ही इसमें अल्ट्रासोनिक इन-स्क्रीन फिंगरप्रिंट स्कैनर जैसे सिक्योरिटी फीचर्स होंगे। प्रोसेसर के तौर पर इसमें स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट होगा, जो बेहतरीन परफॉर्मेंस सुनिश्चित करेगा। स्मार्टफोन में एलपीडीडीआर5एक्स रैम और यूएफएस 4.1 स्टोरेज का सपोर्ट मिलेगा, जिससे डाटा ट्रांसफर और मल्टीटास्किंग बहुत तेज होगी।

मोटोरोला ने लांच किया एज 60 स्टाइलस

रांची। मोबाइल तकनीक और नवाचार में वैश्विक अग्रणी और भारत का अग्रणी एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित एज 60 सीरीज में सबसे क्रिएटिव और एआई-संचालित नया स्मार्टफोन - मोटोरोला एज 60 स्टाइलस को लांच किया। यह अपनी श्रेणी का पहला स्मार्टफोन है जिसमें इनबिल्ट स्टायलस दिया गया है। यह उन क्रिएटर्स, मल्टीटास्कर्स और विचारकों के लिए डिजाइन किया गया है जो चलते-फिरते सटीकता, नियंत्रण और उत्पादकता की तलाश करते हैं। स्केचिंग से लेकर एआई टूल्स जैसे स्केच टू इमेज और हैंडराइटिंग-टू-टेक्स्ट कन्वर्जन तक, एज 60 स्टाइलस रचनात्मकता और कार्यक्षमता को एक नई ऊंचाई पर ले जाता है। इसमें अपने सेगमेंट का सर्वश्रेष्ठ 50 एमपि सोनी लिटिया 700सी कैमरा, शानदार 6.7 1.5 के सुपर एचडी पोलेड फ्लैट डिस्प्ले, डॉल्बी अट्मॉस के साथ स्टीरियो स्पीकर, और पैंटोने-क्यूरेटेड वेगन लेदर फिनिश में बना एक स्लिम, मजबूत डिजाइन दिया गया है जो आईपी68 और एमआईएल-810 एच मिलिट्री ग्रेड प्रोटेक्शन के साथ आता है। मोटोरोला एज 60 स्टाइलस यह परिभाषित करता है कि एक स्मार्टफोन किस तरह से अंदर और बाहर, दोनों रूपों में रचनात्मकता को सशक्त बना सकता है। मोटोरोला एज 60 स्टाइलस अपनी श्रेणी का पहला स्मार्टफोन है।

कूल रहें और स्मार्ट खरीददारी करें अमेजन इन पर

amazon.in

रांची। बढ़ते तापमान के साथ, ठंडा और आरामदायक रहना सर्वोच्च प्राथमिकता है और अमेजन इन आपको पूरे मौसम में ठंडा और आरामदायक रहने में मदद करने के लिए मौजूद है। ताजा और ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों से लेकर, पालतू जानवरों की देखभाल के लिए जरूरी सामान और शिशु देखभाल उत्पादों तक, इस वन-स्टॉप डेस्टिनेशन में तेज और विश्वसनीय डिलीवरी की सुविधा के साथ गर्मियों की हर जरूरी चीज की विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। ग्राहक अमेजन पे का उपयोग करके अतिरिक्त बचत और सुविधा का भी आनंद ले सकते हैं; प्राइम सदस्यों को 10 लाख से अधिक उत्पादों पर उसी दिन डिलीवरी का आनंद मिलता है। चाहे आप धूप में बाहर जाने की योजना बना रहे हों या घर के अंदर शीतलता पाने के तरीके खोज रहे हों, अमेजन इन यह सुनिश्चित करता है कि आपको लिक्विड आई. वी., स्लीपी आउल, ग्लूकोन-डी, हिमालय, बैम्बो नेचर, पेटविट और गूफी टेल्स जैसे शीर्ष ब्रांडों से सभी आवश्यक उत्पाद सीधे आपके घर के दरवाजे तक पहुंचाई जाएं। लिक्विड आई. वी. हाइड्रेशन मल्टीप्लायर - हाइड्रेशन मल्टीप्लायर - प्रीमियम सामग्री से बने इस पेय मे प्राकृतिक स्वाद हैं और यह वर्कआउट, यात्रा या लंबे दिनों के लिए एकदम सही है। ग्लूकोन-डी टैंगी ऑरेंज ग्लूकोज पाउडर- इस ग्लूकोज पाउडर से ऊर्जावान और तरोताजा रहें। तुरंत ऊर्जा पाने के लिए बनाया गया यह पेय थकान से लड़ने में मदद करता है और आपको गर्म, थकाऊ दिनों में भी सक्रिय रखता है। स्लीपी आउल असॉर्टेड कोल्ड ब्रू कॉफी बैग - स्मूथ, ताजगी भरा और बनाने में आसान। प्राकृतिक रूप से मीठा, समृद्ध कोल्ड ब्रू बनाने के लिए इसे रात भर रखें - किसी उपकरण की आवश्यकता नहीं है। 100% अरेबिका बीन्स से बना, यह एक संतुलित, चॉकलेटी स्वाद देता है जो गर्म या ठंडा किसी भी स्वरूप मे पीया जा सकता है।

नई स्पोर्ट्स बाइक अपाचे आरआर 310 का 2025 वर्जन लांच

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी नई स्पोर्ट्स बाइक अपाचे आरआर 310 का 2025 वर्जन भारत में लॉन्च कर दिया है। नया मॉडल अब ओबीडी-2बी उत्सर्जन मानकों के अनुरूप है। नई अपाचे आरआर310 में 312सीसी का रिवर्स-इन्क्लाइंड डीओएचसी इंजन है, जो 38ढर की पावर और 29 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। बाइक में चार राइडिंग मोड्स - ट्रक, स्पोर्ट, अर्बन और रैन - दिए गए हैं, जो विभिन्न परिस्थितियों में बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं। इसके अलावा, इसमें सेगमेंट में पहली बार सीक्वेंशियल टर्न सिग्नल लैंप्स और कॉर्नरिंग ड्रैग टॉर्क कंट्रोल जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

उत्तर प्रदेश में 33 आईएएस...

सूचना विभाग में निदेशक की भूमिका निभा रहे शिशिर सिंह को अब विशेष सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) और सीईओ, खादी ग्राम उद्योग बोर्ड बनाया गया है। उनकी जगह भदोही के डीएम विशाल सिंह को नया सूचना निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि भदोही की कमान अब शैलेश कुमार को सौंपी गई है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरोसेमंद अफसरों में शुमार माने जाने वाले वाराणसी के कमिश्नर कौशल राज शर्मा को मुख्यमंत्री का सचिव बनाया गया है। उनकी जगह वाराणसी के डीएम एस. राजलिंगम को नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है, और सत्येंद्र कुमार को वाराणसी का नया डीएम बनाया गया है।

किसे क्या नई...

हर्षिका सिंह : सीडीओ प्रयागराज, आर्यका अखोरी : विशेष सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य, अविनाश कुमार : डीएम गाजीपुर, मृदुल चौधरी : डीएम झांसी, गजल भारद्वाज : डीएम महोबा, महेंद्र सिंह तंवर : डीएम कुशीनगर, विशाल भारद्वाज : विशेष सचिव मुख्यमंत्री, आलोक कुमार : डीएम संतकबीरनगर, डॉ. उज्जवल कुमार : एमडी, यूपी मेडिकल सप्लाई कॉर्पोरेशन, पुलकित खरे : मिशन डायरेक्टर, कौशल विकास, अनुभव सिंह : वीसी, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण, शाहिद अहमद : सीडीओ श्रावस्ती, जगदीश : सचिव, गृह, अभय : सदस्य, राजस्व परिषद, डॉ. वेदपति मिश्रा : सचिव, राज्य सूचना आयोग।

कीमतों में भारी...

बात करें, तो सोने का भाव मेकिंग चार्ज और GST के साथ 100000 रुपये के पार निकल गया है।

एमसीएक्स पर सोमवार को तेज बढ़त के बाद मंगलवार को भी सोने के दाम तेजी के साथ ओपन हुए. 5 जून की एक्सपायरी वाला गोल्ड 98551 रुपये प्रति 10 ग्राम के लेवल पर ओपन हुआ और खुलने के बाद एक झटके में उछलकर 99,178 रुपये प्रति 10 ग्राम के लाइफ टाइम हाई पर जा पहुंचा। दो दिन में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर Gold Price 3,924 रुपये बढ़ गया है।

बता दें कि बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन गुरुवार को ये 95,254 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं अंतरराष्ट्रीय मार्केट में Gold Rate 3,475 डॉलर प्रति औंस के हाई तक पहुंच गई है।

एक्वा मेट्रो में 24 घंटे...

से पूर्व में मेट्रो ट्रेनों का संचालन किया जाता था। लेकिन सोमवार को अचानक इस लाइन में तकनीकी खराबी आ गई। एनएमआरसी के सूत्रों के मुताबिक टेक्निल फॉल्ट करने को ठीक करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं पिछले 24 घंटों में टेक्निल फॉल्ट को ठीक नहीं किया जा सका है और मंगलवार को भी एक्वा मेट्रो के सेक्टर-51 स्थित स्टेशन के प्लेटफार्म-1 से सभी ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसके लिए बाकायदा मेट्रो स्टेशन पर घोषणा भी की जा रही है। यात्रियों की सुविधा के लिए एक्वा मेट्रो स्टाफ भी प्लेट फार्म पर तैनात है।

पांच दिन में हटाएं वीडियो

हाईकोर्ट ने कहा, जब मैंने वीडियो देखा तो मुझे अपने कान और आंखों पर विश्वास नहीं हुआ. बाबा रामदेव के वकील का कहना था कि हमने पहले ही वीडियो निकालने के लिए कह दिया है- इस पर कोर्ट ने कहा, हलफनामा दाखिल करें। कोर्ट ने कहा, इसे हलफनामे पर आना चाहिए. एक हलफनामा दर्ज किया जाए जिसमें कहा जाए कि वो भविष्य में इस तरह का कोई बयान या विज्ञापन, सोशल मीडिया पोस्ट जारी नहीं करेंगे।

नोएडा में संपत्तियों...

9686 वर्गमीटर और ग्रुप हाउसिंग में 91 हजार 820 के अलावा वाणिज्यिक में 10 लाख 16 हजार 186 वर्गमीटर का लैंड बैंक है। इन सभी भूखंडों पर अलग-अलग स्कीम लांच की जाएगी। ऐसे में इस वित्तीय वर्ष करीब 14 लाख 88 हजार 880 वर्गमीटर जमीन आवंटित करने का लक्ष्य भी तय किया गया है।

आवासीय भूखंड में ए प्लस सेक्टरों की दरों में बदलाव में नहीं किया गया है। वर्तमान और प्रस्तावित दोनों दर अब भी 1 लाख 75 हजार प्रति वर्गमीटर होगी। वहीं ए से लेकर ई श्रेणी के सेक्टरों में आवंटन दरों में वर्तमान के मुकाबले 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में श्रेणी ए की दर 1,25340 प्रति वर्गमीटर से बढ़कर 132860 रुपए वर्गमीटर , बी श्रेणी में 87370 से बढ़कर 92620 रुपए प्रतिवर्गमीटर , श्रेणी सी में 63620 से बढ़कर रुपए 67440 प्रतिवर्गमीटर, श्रेणी डी में 53180 से बढ़कर 56370 रुपए प्रति वर्गमीटर और ई श्रेणी में 48,110 से बढ़कर 51000 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से बढ़ाया गया। ये दर ई ऑक्शन के आधार पर इनका आवंटन किया जाएगा। वहीं ईडब्ल्यूएस औश्र श्रमिक कुंज के भवनो के लिए आवंटन दर 10140 रुपए प्रतिवर्गमीटर ही रखी गई है। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस आवंटन ड्रा के जरिए किया जाएगा।

'सकरी-सकरी गली गांव कहलाता चौड़ा'

'सनेही मंडल' ने आयोजित की काव्य संध्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन 'सनेही मंडल' नोएडा एवं शब्दावली दर्पण न्यूज़ मीडिया के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन हास्य कवि बाबा कानपुरी के निवास स्थान पर निर्मित संगोष्ठी कक्ष में संपन्न हुई इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में एमटीएनएल के मुख्य प्रबंध निदेशक एक के गर्ग एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में विनय कुमार सिंह डिप्टी डायरेक्टर जनरल (दूरसंचार), राजभाषा अधिकारी रहे डॉक्टर रामनिवास शुक्ल उपस्थित रहे। वरिष्ठ नव गीतकार डॉक्टर राधेश्याम बंधु की अध्यक्षता में और पंडित साहित्य चंचल के कुशल संचालन में मुख्य अतिथि ने सरस्वती जी की प्रतिमा पर पुष्पहार चढ़कर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के आयोजक बाबा कानपुरी, संयोजक पंडित सहित्य कुमार चंचल ने शाल ओढ़ाकर और माल्यार्पण कर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और कार्यक्रम के अध्यक्ष का स्वागत किया।

बाबा कानपुरी ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के द्वारा नोएडा दूर संचार विभाग में राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार और साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियों में उनके योगदान के लिए याद किया।

कवयित्री सविता सिंह की सरस्वती वंदना के बाद प्रतिष्ठित गीतकार ओंकार त्रिपाठी ने अपने मार्मिक गीतों से सभी का मन मोह लिया। इसके उपरांत कवि चंद्रभान मिश्रा, कवयित्री पूनम माहेश्वरी, ऋषि कुमार शर्मा, डॉ. राजपाल सिंह यादव, पंडित साहित्य चंचल के गीतों और कविताओं का श्रोताओं ने तालियों से भरपूर स्वागत किया।

हास्य कवि मोहन द्विवेदी और बाबा कानपुरी ने अपने चुटीले व्यंग्य और हास्य कविताओं से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। बाबा कानपुरी के मुक्तक की यह पंक्तियां बहुत पसंद की गयीं

बिन लगाम का घोड़ा देखो ऐसा दौड़ा,
हर्दनहल्दी डोडे गौड़ा देव गौड़ा।
अजब विरोधाभास देखने को मिलता है,
सकरी-सकरी गली,गांव कहलाता चौड़ा।

नवगीतों पर अपनी लंबी काव्य यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ राधेश्याम बंधु ने अपने दोहों और नवगीतों से सभी का मन मोह लिया।

अंत में मुख्य अतिथि ए के गर्ग ने उपस्थित सभी साहित्यकारों और श्रोताओं को संबोधित करते हुए कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की और साहित्य सेवा के क्षेत्र में बाबा कानपुरी की भूमिका की सराहना की।

विशिष्ट अतिथि विनय कुमार सिंह ने समाज और देश के सांस्कृतिक विकास में साहित्य एवं कविता की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजई रचना रश्मि रथी की कुछ पंक्तियां भी पढ़कर सुनाई। जिन्हें सुनकर सभी श्रोता मुग्ध हो गए।

इस अवसर पर श्रोताओं के रूप में महेश गुप्त, डॉक्टर भूदेव सिंह, धर्मेंद्र सिंह, उपमा विश्व कर्मा, रचना शर्मा संजय राय, वरुण गुप्ता, उद्धव विश्वकर्मा, पूर्णिमा शर्मा, किसलय शर्मा आदि की उपस्थिति सराहनीय रही।

खास खबर

सुंदर पिचाई ने की वैभव की जमकर प्रशंसा

नई दिल्ली । आईपीएल में सबसे कम उम्र 14 साल में डेब्यू कर रिकार्ड बनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की सर्च इंजन गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने भी जमकर प्रशंसा की है। वैभव ने आईपीएल कैरियर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर सभी को हैरान कर दिय था। वैभव को गत वर्ष हुई नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने एक करोड़ से अधिक राशि में खरीदा था। पिचाई ने वैभव की प्रशंसा में एक पोस्ट किया जिसमें उन्होंने लिखा कि कैसे वो इस बल्लेबाजी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे थे। वैभव ने अपने पहले ही मैच में 20 गेंदों पर 34 रन की शानदार पारी खेली जिसमें तीन छक्के शामिल थे। इस बल्लोज ने निडर होकर गेंदबाजों का सामना किया। वैभव ने यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी निभाई। वैभव को इस मैच में चोटिल कप्तान संजू सैमसन की जगह उतारा गया था। इस मुकाबले की अंतिम गेंद पर लखनऊ सुपर जायंटस ने जीत हासिल कर ली थी।

आईपीएल अंक तालिका में फिर शीर्ष टीमों में पहुंची आरसीबी

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम एक बार फिर आईपीएल अंकतालिका में शीर्ष चार में पहुंच गयी है। आरसीबी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 7 विकेट मिली जीत के साथ ही अंकतालिका में तीसरा स्थान हासिल किया है। वहीं मुम्बई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर जीत के साथ ही अंक तालिका में छठा स्थान हासिल किया है। है। मुंबई इंडियंस की टीम के लगातार तीसरी जीत के बाद 8 मैचों में 4 जीत के साथ ही कुल 8 अंक हो गये हैं। दूसरी ओर सीएसके की टीम 8 में से 2 ही मैच जीत पाई है और 4 अंक के साथ अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। उसका प्लेऑफ तक पहुंचना अब असंभव हो गया है। वहीं आरसीबी की टीम पंजाब के खिलाफ मैच से पहले टीम पांचवें स्थान पर थी पर जीत के साथ ही वह ऊपर आयी है। बेंगलुरु के 8 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं और तीसरे स्थान पर पहुंच गई है।

रॉयल्स को अब जीतने होंगे छह मैच

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्य की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसे 8 मैचों में से 6 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम अंकतालिका में आठवें स्थान पर खिसक गयी है और उसके प्लेऑफ्स में पहुंचने की राह बेहद कठिन हो गयी है। इसके बाद भी अभी रॉयल्स के लिए प्लऑफ के रास्ते बंद नहीं हुए हैं हालांकि एक और हार से वह जरुर बाहर हो सकती है। रॉयल्स के अभी केवल चार अंक हैं पर उसका नेट रन रेट अच्छा है। इसी कारण वह सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स से आगे बनी हुई है। इन दोनो टीमों के भी 4-4 अंक हैं। सनराइजर्स और सीएसके ने अभी तक 7-7 मैच खेले हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने 8 मैच खेले हैं। राजस्थान का अब अगर प्लेऑफ में पहुंचना है तो उसे बाकि बचे हुए छह मैच जीतने होंगे। इसके बाद टीम के 16 अंक हो जाएंगे।

सुपर जाइंट्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

एजेंसी

लखनऊ । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला लखनऊ सुपर जाइंट्स से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी हालांकि सुपर जाइंट्स को उसके घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों के 10-10 अंक हैं पर बेहतर औसत के कारण दिल्ली दूसरे और सुपर जाइंट्स पांचवे स्थान पर है। ऐसे में इस मैच में कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनो ही टीमों के कप्तान

इस मैच से अपनी लय हासिल करने उतरेंगे। सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला खामोश है जो लखनऊ के लिए परेशानी का कारण है। उन्होंने अभी तक 8 मैच में केवल 106 रन बनाए हैं जिसमें 63 रन की एक पारी भी शामिल है। उनका स्ट्राइक रेट 98 है जो चिंता का विषय है। वहीं दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल भी अभी तक उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। बल्लेबाजी में उन्होंने 159 के स्ट्राइक रेट से 140 रन बनाए हैं लेकिन उनकी गेंदबाजी प्रभावहीन रही है। वह अभी तक सात मैच में केवल एक विकेट ले पाए हैं और उनका इकोनॉमी रेट 9.36 है।

इस मैच में जीत के लिए दिल्ली के सलामी बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। अब तक दिल्ली के सलामी बल्लेबाज इस सत्र में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। अब उसके बल्लेबाजों फाफ डु प्लेसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल को रन बनाने होंगे। करुण नायर का प्रदर्शन हालांकि अब तक अच्छा रहा है। मध्यक्रम में केएल राहुल का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है जिसे वह बनाये रखना चाहेंगे। गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, आवेश खान और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज है जिनका सामना करना सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा।

सबसे अधिक बार 50 से ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने विराट

एजेंसी

मुल्लांपुर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली अब आईपीएल में सबसे अधिक बार 50 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। विराट ने इसके साथ ही डेविड वॉर्नर को पीछे छोड़ दिया है। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में मार्को जैन्सन की गेंद पर एक रन बनाने के साथ ही आईपीएल में अपना 59 वां अर्धशतक पूरा किया वहीं उनके नाम 8 शतक है। इस प्रकार देखा जाये तो विराट ने 260 मैचों में 67 बार पचास से अधिक रन बनाये हैं। वहीं वॉर्नर के नाम 66 अर्धशतक हैं। तीसरे नंबर पर शिखर धवन 53 व चौथे पर रोहित शर्मा 45 और पांचवे पर केएल राहुल के 43 अर्धशतक हैं।

आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए विराट का रिकार्ड काफी अच्छा है। इस बार आईपीएल में विराट ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 59 रन बनाये जबकि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 62 व पंजाब किंग्स के खिलाफ 50 रन बनाये।

होल्गर रून ने जीता बार्सिलोना ओपन का खिताब

एजेंसी

बार्सिलोना। डेनमार्क के टेनिस स्टार होल्गर रून ने रविवार को बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्कराज को हराकर बार्सिलोना ओपन 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया।

रून ने खिताबी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7-6 (8/6), 6-2 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने करीब एक साल बाद कोई खिताब अपने नाम किया। यह मुकाबला खास इसलिए भी रहा क्योंकि अल्कराज अपने पिछले 23 क्ले कोर्ट मैचों में सिर्फ दूसरी बार हारे हैं।होल्गर रून ने जीत के बाद कहा, ये एक पागलपन भरा एहसास है। करीब एक साल बाद खिताब जीतना मेरे लिए बेहद खास है।

कार्लोस जैसे खिलाड़ी और अच्छे दोस्त को फाइनल में हराकर ये पल मेरे लिए खास है। मैंने पूरे मैच में संयम बनाए रखा और रणनीति के साथ खेला। फाइनल मुकाबले की शुरूआत में कार्लोस अल्कराज ने पांचवें गेम में ब्रेक लेकर बढ़त बनाई थी, लेकिन रून ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद रूने ने 10वें गेम में दो सेट पॉइंट बनाए, हालांकि अल्कराज ने उन्हें बचा लिया। पहला सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां रून ने मौके का फायदा उठाते हुए पहला सेट अपने नाम कर लिया। यह इस हफ्ते अल्कराज का पहला सेट था जो उन्होंने गंवाया। दूसरे सेट में अल्कराज ने शुरूआत में दो ब्रेक प्वाइंट जरूर बनाए, मगर रून ने उन्हें बचाया। तीसरे गेम के बाद अल्कराज ने मेडिकल टाइमआउट लिया और फिर कोर्ट पर लौटे। हालांकि तब तक होल्गर रून ने मैच की पकड़ मजबूत कर ली थी। रून ने दो बार अल्कराज की सर्विस ब्रेक करते हुए दूसरा सेट 6-2 से अपने नाम कर खिताब जीत लिया। अल्कराज, जो इससे पहले मोंटे कार्लो मास्टर्स जीत चुके हैं और फ्रेंच ओपन की तैयारी कर रहे हैं, वह बार्सिलोना में अपना तीसरा खिताब जीतने से चूक गए।

खराब दौर में भी अपनी क्षमताओं पर संदेह नहीं किया : रोहित

एजेंसी

मुंबई । आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि खराब दौर में भी उन्हें कभी भी अपनी क्षमताओं पर संदेह नहीं हुआ। रोहित ने आईपीएल के शुरूआती मैचों में विफल रहने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ शानदार अर्धशतक लगाकर दिखाया है कि उनका खेल कौशल सही है। रोहित ने इस मैच में 45 गेंदों पर ही नाबाद 76 रन बना दिये। इसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे। इससे पहले के मैचों में वह

काफी कम रन बना पाये थे। रोहित ने कहा, लंबे समय तक रन नहीं बन पाने के बाद लोग अपनी ही क्षमता पर संदेह करते है और अलग तरीके तरीके अपनाने लगते हैं पर मेरे लिए अच्छी तरह से अभ्यास करना और शॉट खेलना अहम था। साथ ही कह कि जब आपकी मानसिकता स्पष्ट होती है तो फिर सभी कुछ ठीक होने लगता है। उन्होंने कहा कि अगर आप ही अपनी क्षमता पर संदेह करने लगते हैं तो दबाव में आने लगते हैं। उन्होंने कहा, ह्य मेरी ओर से बड़ा स्कोर बनाए हुए लंबा समय हो गया था पर ऐसे में अगर मैं अपने पर संदेश करता तो ये स्वयं पर दबाव बनाने जैसा होगा। साथ ही कहा कि आप किस तरह से खेलना चाहते हो उसके बीच संतुलन स्थापित करना सबसे अहम होता है।

दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट की कप्तानी मिली तो संभालने तैयार हूं : रबाडा

एजेंसी

मुम्बई । भारत में आईपीएल खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने कहा है कि अगर अब भी उन्हें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) कप्तान बनाता है तो वह ये जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। वह एक साथ कई भूमिकाएं निभाने के लिए तैयार हैं। रबाडा ने एक साक्षात्कार में कहा, ह्यमुझसे कई बार कप्तानी को लेकर सवाल पूछा गया है। इससे इसने मुझे इस पर विचार करने के लिए मजबूर किया है। मुझे लगता है कि इसके लिए मेरी ओर से कुछ परिपक्वता की आवश्यकता होगी पर अगर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका या किसी कोच द्वारा मुझसे यह सवाल पूछा जाता है तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा। उन्होंने कहा, मैं पहले से ही सोच रहा था कि इसमें

किस तरह का बदलाव होगा क्योंकि कप्तान बनने के बाद आप केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते क्योंकि तब आपको हर किसी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। और सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी। रबाडा ने कहा, ह्यमुझे लगता है कि इसके लिए निश्चित रूप से परिपक्वता की जरुरत होगी और इसके लिए बहुत सारी योजनाएं भी बनानी होंगी। इसलिए, अगर मुझसे यह सवाल पूछा जाता है तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा।

भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई : स्टोइनिस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है। आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे स्टोइनिस ने युवा भारतीय क्रिकेटरों की जमकर प्रशंसा की है। स्टोइनिस ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय युवा खिलाड़ी निडर होकर खेलते हैं वह सराहनीय है। स्टोइनिस के अनुसार इसी कारण भारतीय टीम को टी20 प्रारुप से रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के एकसाथ संन्यास लेने से भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इनकी जिम्मेदारी बाद तिलक वर्मा , अभिषेक शर्मा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से संभाल ली है। वह पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य के प्रदर्शनसे भी प्रभावित नजर आये। स्टोइनिस ने कहा, भारतीय क्रिकेट में काफी गहराई है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी है भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी कम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल

को निखारने के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, ताइकेमा ड्रैग फ्लिक के मामले में सबसे महान दिग्गजों में से एक हैं। वह तकनीक को निखारने और ड्रैग फ्लिक की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए टीम के साथ काम कर रहे हैं। हरेंद्र ने कहा, ड्रैग फ्लिक करना एक विशिष्ट कौशल है और ताइकेमा भविष्य के शिविर में भी हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे। हरेंद्र ने कहा कि दीपिका सहित इससे हमारी टीम की सभी खिलाड़ियों के कोशल में सुधार आया है। इस 45 साल के पूर्व खिलाड़ी को अपने खेल के दिनों में पेनल्टी-कार्नर की सटीकता के लिए जाना जाता था। ताइकेमा ने 11 वर्षों के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में नीदरलैंड की पुरुष टीम के लिए 94 मैचों में 170 गोल किए। उन्हें दुनिया के सबसे खतरनाक पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञों में से एक माना जाता है।

रोहित लय में रहें तो विरोधी होते हैं बेबस : पांड्या

एजेंसी

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसएके) के खिलाफ जीत के बाद रोहित शुर्मा की जमकर प्रशंसा की है। हार्दिक ने कहा कि रोहित जब लय में आ जाते हैं तो उनके सामने कोई टिक नहीं पाता। इसलिए उनके फार्म को लेकर चिन्ता की जरुरत नहीं है। इस आईपीएल सत्र में रोहित ने अपना पहला अर्धशतक लगाया है। उन्होंने नाबाद 76 रन बनाये हैं। इससे पहले के मैचों में वह रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठे थे। पांड्या ने कहा कि उनका लक्ष्य आराम से खेलने के साथ ही अपनी

रणनीति पर अमल करना रहा है। मुंबई इंडियंस ने रोहित और सूर्यकुमार यादव नाबाद 68 रनों की सहायता से लगातार तीसरी जीत हासिल की। दोने ने दूसरे विकेट के लिए 114 रन बनाये। पांड्या ने कहा, हमने जिस तरह से बड़ा लक्ष्य हासिल उससे टीम का मनोबल बढ़ा है। रोहित जब टिक जाते तो विरोधी गेम से बाहर हो जाते हैं क्योंकि वह एक मैच विजेता खिलाड़ी है। मैच में हर खिलाड़ी अपना योगदान दे रहा है। हम केवल सरल क्रिकेट और अपनी रणनीति को अमल में लाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं सीएसके की कप्तानी कर रहे महेंद्र सिंह धोनी ने कहा, हम अच्छा स्कोर नहीं बना पाये जबकि हमें पता था कि बाद में ओस पड़ेगी। हमें शुरूआत में ही आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिये था क्योंकि बाद के ओवरों में बुमराह गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने कहा, 175 का स्कोर काफी कम था और पहले छह ओवर में ज्यादा रन देने के बाद वापसी करना कठिन होता है। हमें यह सोचना है कि हम कहां गलती कर रहे हैं जबकि आगे बढ़ने हमें हर मैच जीतना है पर हम हर मैच को एक मैच के तौर पर लेंगे।

हांशी मानस सिन्हा को मिला ब्लैक बेल्ट की आठवीं डान की उपाधि

रांची । विश्व कराटे महासंघ ने स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के झारखंड राज्य के अध्यक्ष एवं शोटोकन कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के मुख्य प्रशिक्षक हांशी मानस सिन्हा को ब्लैक बेल्ट की आठवीं डान की उपाधि प्रदान की। यह उपाधि कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष हांशी भरत शर्मा जी के रिकमेंडेशन पर , विश्व कराटे महासंघ के अध्यक्ष हांशी एंटोनियो स्पिनोज जी के द्वारा प्रदान की गई है. ब्लैक बेल्ट की आठवीं डान देश के सबसे सीनियर कराटे प्रशिक्षकों को ही दिया जाता है। मानस सिन्हा को ब्लैक बेल्ट 7 वी डान 8 वर्षों पहले 2017 में विश्व कराटे

महासंघ के द्वारा प्रदान किया गया था। हांशी मानस सिन्हा पिछले लगभग 50 वर्षों से कराटे के क्षेत्र में हैं और लगभग 46 सालों से कराटे का प्रशिक्षण देते आ रहे हैं। मानस सिन्हा ने शोटोक'न कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के मुख्य प्रशिक्षक रहते हुए स्वयं एवं शोकफ के प्रशिक्षकों के सहयोग से लाखों छात्र-छात्राओं एवं महिला पुरुष को कराटे , सेल्फ डिफेन्स का प्रशिक्षण दिया है और अभी भी दे रहे हैं। हांशी मानस सिन्हा ने विश्व कराटे महासंघ के अध्यक्ष हांशी एस्पिनोस जी, कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष हांशी भरत शर्मा , सचिव सिहान संजीव जांगड़ा जी को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया है। हांशी मानस सिन्हा को आठवीं डान प्राप्त होने पर सेंसाई के के सिंह ,क्योंसी नरेंद्र सिन्हा , शिहान शशि पांडे, सेंसाई हेजाज असदक, शिहान रंजीत मेहता ,शिहान संजय मिश्रा, बबलू कुमार,अमर वर्मा, नन्द किशोर माहतो, राज किशोर, उमेश रजक ,संगीता कुमारी, कुमारी दीपाली इत्यादि कई मार्शल आर्ट कराटे कारों ने बधाइयां दी है।

झारखंड की बेटियों ने रच दिया इतिहास

68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल फुटबॉल प्रतियोगिता

रांची । 68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बेटियों ने इतिहास रच दिया है। मणिपुर में दिनांक 15 अप्रैल, 2025 से दिनांक 21 अप्रैल, 2025 तक आयोजित अंडर 19 प्रतियोगिता में झारखंड की बालिका टीम मेजबान मणिपुर को 2-0 से शिकस्त देकर चैंपियन बन गयी है। यह जीत सिर्फ एक खेल का परिणाम नहीं, बल्कि उन बेटियों के अटूट संकल्प और महीनों की कड़ी मेहनत का जीवंत प्रमाण है, जिन्होंनो विभागीय मंत्री जी से किया वादा निभाकर इतिहास के स्वर्णिम अक्षरों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। झारखंड की बालिका टीम ने

अपने अद्भुत खेल कौशल और अटूट तालमेल का प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप का खिताब झारखंड के नाम कर दिया। झारखंड की ओर से फाइनल मुकाबले में पूजा कुमारी और रीना कुमारी ने एक एक गोल कर झारखंड का मान बढ़ाया। इस ऐतिहासिक जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए विभागीय मंत्री रामदास सोरेन ने कहा, मुझे झारखंड की बेटियों पर गर्व है। उन्होंने न केवल शानदार खेल का प्रदर्शन किया, बल्कि राज्य से किये अपने वादे को भी निभाया। यह जीत अन्य बेटियों को भी प्रेरित करेगी कि वे अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करें। माननीय मंत्री ने कहा कि यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं है, बल्कि झारखंड की उन सभी बेटियों के लिए एक प्रेरणा है जो खेल के क्षेत्र में अपना नाम रोशन करना चाहती हैं। इन बेटियों ने दिखा दिया है कि प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के बल पर किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। पूरे झारखंड को अपनी इन बेटियों पर गर्व है और भविष्य में भी उनसे ऐसे ही शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने बालक टीम के खेल प्रदर्शन की भी जमकर तारीफ की। माननीय मंत्री ने कहा मुकाबले में भले ही बालक टीम उपविजेता बनी हो, लेकिन झारखंड की टीम ने पूरे टूनार्मेंट में देशभर की टीमों के सामने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उपविजेता बनना भी एक बड़ी उपलब्धि है। हमारे लड़कों में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है। उन्होंने दिखाया है कि झारखंड भी फुटबॉल के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। यह हार अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरूआत है। झारखंड की बेटियों की शानदार जीत पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विभागीय मंत्री रामदास सोरेन, विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह, झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग समेत खेल कोषांग के अन्य पदाधिकारियों ने पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने से पहले झारखंड की बालक-बालिका टीम ने माननीय शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से मुलाकात की थी। मंत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी थी। उन्होंने कहा था कि झारखंड की धरती मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की धरती है। यहां खेल प्रतिभाओ की कोई कमी नहीं है। यह गर्व की बात है कि हमारी बेटियां और बेटे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे है। मुझे पूरी आशा है कि हमारी टीम झारखंड का सम्मान और गौरव बढ़ाएगी। उन्होंने विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया था कि टीम को सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाए। झारखंड की बालक और बालिका टीम ने माननीय मंत्री से वादा किया था कि वे झारखंड को चैंपियन बनाकर लौटेंगे।

बालक टीम बनी उपविजेता

68वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बालक टीम उपविजेता बनी है। फाइनल मुकाबले में झारखंड की बालक टीम को केरल की टीम ने 1-3 के अंतर से पराजित किया। पूरे टूनार्मेंट में झारखंड की बालक टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और प्रतिद्वंदी टीमों को कड़ी टक्कर दी।

मार्क डिमेया में एवीसी वुमंस चैम्पियंस लीग में खेलती हुई खिलाड़ी।

दुनिया में हर साल 300 मिलियन टन से ज्यादा प्लास्टिक तैयार हो रहा है। हमारे जीवन में घुसपैठ कर चुके प्लास्टिक का एक खतरनाक पहलू यह है कि इससे तैयार कोई भी उत्पाद पूरी तरह से नष्ट नहीं होता। प्लास्टिक को किसी भी तरीके से नष्ट या खत्म करने अथवा कहीं डंप करने के बावजूद उसका घातक असर पर्यावरण में मौजूद रहता है। प्लास्टिक कचरे को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए वैज्ञानिक पिछले कुछ दशकों से गंभीर प्रयासों में जुटे हैं और हाल ही में उन्हें इस दिशा में बड़ी सफलताएं भी मिली हैं।

प्लास्टिक को खत्म करने की जुगत...

प्लास्टिक कचरा गलियों-सड़कों-खेतों से लेकर नदियों और समुद्रों तक में यह प्रवाहित हो रहा है। आप धरती के किसी भी कोने में चले जाएं प्लास्टिक कचरा जरूर दिखेगा। समुद्रों में जिस तरह से प्लास्टिक कचरा बढ़ता जा रहा है, उसे देखते हुए यह आशंका प्रबल हो रही है कि वर्ष 2050 तक समुद्र में यह इतना ज्यादा बढ़ जाएगा कि मछलियों से ज्यादा तादाद में प्लास्टिक कचरा मौजूद होगा। इससे निबटने के लिए वैज्ञानिक पिछले कुछ दशकों से गंभीर प्रयासों में जुटे हैं और हाल ही में इस दिशा में एक बड़ी कामयाबी मिली है। क्योटो यूनिवर्सिटी की रिसर्च टीम एक बार कचरे के ढेरों में कुछ उम्मीदें तलाश रही थी। उन्होंने प्लास्टिक को कुतरनेवाले कुछ माइक्रोब देखे। करीब 250 सैंपल्स पर पांच वर्षों तक शोध करने के बाद उन्होंने कुछ बैक्टीरिया को अलग किया, जो पीईटी यानी पॉली-इथिलीन टेरेफ्थालेट में जीवित रह सकते हैं। दरअसल, 'पीईटी' एक कॉमन प्लास्टिक है, जिसका इस्तेमाल बोतलों और अनेक सिंथेटिक कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। प्लास्टिक खानेवाले माइक्रोब्स का धरती पर अस्तित्व कई वर्षों पहले ही खोज लिया गया था। लेकिन, हालिया खोजी गई चीजों में कुछ महत्वपूर्ण फर्क पाये गये हैं। जैसे एक शोध में यह साबित हुआ है कि इस कार्य के लिए उपयोगी माइक्रोब्स को आसानी से पैदा किया जा सकता है।

एंजाइम की भी पहचान

वैज्ञानिकों ने 'आइडियोनेला सेकेनसिस' नामक यह एंजाइम की भी पहचान की है जो 'पीइटी' को नष्ट करने में सक्षम पाया गया है। सभी जीवित चीजों में एंजाइम्स होते हैं, जिनका इस्तेमाल जरूरी केमिकल रिएक्शंस को गति देना होता है। कुछ एंजाइम्स हमारे भोजन को पचाने में मदद करते हैं। इन जरूरी एंजाइम्स के बिना शरीर कुछ खास प्रकार के भोजन से पोषक चीजें नहीं हासिल कर सकता है। उदाहरण के तौर पर लैक्टोज नहीं पचा पाने वाले लोगों में एंजाइम नहीं होते, जो डेयरी उत्पादों में पाये जोने वाले लैक्टोज शुगर को तोड़ते हैं। कोई भी इन्सान सेल्यूलोज नहीं पचा सकता, जबकि माइक्रोब्स ऐसा कर सकते हैं। 'आइडियोनेला सेकेनसिस' में कुछ ऐसे सक्षम एंजाइम पाये गये हैं, जिन्हें बैक्टीरिया पर्यावरण में पैदा करते हैं। क्योटो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया के डीएनए में जीन की पहचान की है, जो पीईटी को पचानेवाले एंजाइम के लिए उत्तरदायी होते हैं। इस प्रकार वे ज्यादा से ज्यादा एंजाइम बनाने में सक्षम पाये गये हैं और ये दर्शाते हैं कि महज ये एंजाइम ही इन पीईटी को पूरी तरह से नष्ट कर सकते हैं।

वास्तविक रिसाइकलिंग

इस शोध ने प्लास्टिक रिसाइकलिंग और परिशोधन का एक नया नजरिया दिया है। मौजूदा समय में अधिकांश प्लास्टिक बोतलों को वास्तविकता में रिसाइकिल नहीं किया जाता है। इन्हें पिघला कर और कुछ सुधार करके प्लास्टिक के कठोर उत्पाद बनाये जाते हैं। लेकिन पैकेजिंग कंपनियां ज्यादातर फ्रेश प्लास्टिक का इस्तेमाल करती हैं, जिन्हें पेट्रोलियम पदार्थों से हासिल होनेवाले रसायनों से बनाया जाता है। पीईटी-डाइजेस्टिंग एंजाइम्स ने ही प्लास्टिक के रिसाइकल की वास्तविक राह तैयार की है। कूड़े-कचरे के साथ मिला कर इनके जरिये सभी प्रकार के प्लास्टिक बोतलों और अन्य आइटम्स को वास्तविक रूप से खत्म किया जा सकता है। इस प्रकार इन घातक रसायनों से आसानी से निबटा जा सकता है। साथ ही वास्तविक रिसाइकलिंग सिस्टम के जरिये फ्रेश प्लास्टिक बनाया जा सकता है।

प्लास्टिक खाने वाले वर्म्स

वैज्ञानिकों ने पशुओं की आंत में पाये जानेवाले एक ऐसे बैक्टीरिया की भी पहचान की है, जिसे प्लास्टिक को जैविक तरीके से खत्म करने में कामयाब पाया गया है । इससे पर्यावरण को प्लास्टिक के घातक असर से बचाया जा सकेगा। अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और चीन की बेहांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कुछ ऐसे मीलवर्म की तलाश की है, जो अनेक प्रकार के पॉलिस्टिरीन और स्टाइरोफोम को खाने और उसे पचाने में सक्षम पाये गये हैं। इन वर्म्स की आंत में प्लास्टिक जैविक तरीके से पच जाता है और इसका पूरी तरह से अपघटन हो जाता है। इस शोध से प्लास्टिक से पैदा होने वाली वैश्विक समस्याओं को खत्म करने को एक नयी दिशा मिलने की उम्मीद जगी है।

पानी में घुलने वाला प्लास्टिक

इटली की एक कंपनी ऐसा प्लास्टिक बना रही है, जो पानी में घुल सकता है। यह कंपनी चुकंदर से निकलने वाले कचरे से प्लास्टिक बनाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि चुकंदर के उत्पादन से निकलने वाले बाइ-प्रोडक्ट से बनने वाला प्लास्टिक पर्यावरण के लिए कोई खतरा नहीं बनेगा। इसके अलावा पेट्रोलियम पदार्थों से बनने वाले प्लास्टिक पर निर्भरता को कम करने में कामयाबी मिल सकती है। इटली की एक छोटी कंपनी 'बायो ऑन' जैव प्लास्टिक के क्षेत्र में नवीनतम प्रयास का प्रतिनिधित्व कर रही है। इटली के शहर मिनेर्बियो में सबसे बड़ी चीनी उत्पादक कंपनी 'को प्रो बी' चुकंदन से चीनी बनाती है। चुकंदर से चीनी बनने के बाद यह कंपनी कचरे के तौर पर जिन चीजों को फेंक देती है, 'बायो ऑन' उसी से प्लास्टिक का निर्माण करती है।

बैक्टीरिया कुतरेंगे बोतल

वैज्ञानिकों ने ऐसे बैक्टीरिया तैयार किये हैं, जो प्लास्टिक कचरे को खत्म करेंगे। शुरू में इन्हें रिसाइकलिंग सेंटर में कचरे के ढेरों में डाला जाएगा, जहां ये डंप किये गये प्लास्टिक बोतलों को कुतरने का काम करेंगे। हाल ही में इसका परीक्षण किया गया है और विकसित किये गये बैक्टीरिया को इस कार्य के लिए उपयुक्त पाया गया है। दरअसल, प्लास्टिक को मुख्य रूप से पेट्रोलियम पदार्थों से निकलने वाले कृत्रिम रेजिन से बनाया जाता है। रेजिन में अमोनिया और बेंजीन को मिला कर प्लास्टिक के मोनोमर बनाये जाते हैं। इसमें क्लोरीन, फ्लोरिन, कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ऑक्सीजन और सल्फर के अणु होते हैं। लंबे समय तक अपघटित न होने के अलावा प्लास्टिक अनेक अन्य प्रभाव छोड़ता है, जो इनसान की सेहत के लिए हानिकारक हैं।

अब पैसों से खरीदें खुशी...

पैसा जो काम की सारी चीजे दिला सकता है, लेकिन एक चीज नहीं दिला सकता, वो है खुशी। ऐसा बड़े बुजुर्गों का मानना था। लेकिन एक नए शोध ने इस कहावत को झुठला दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पैसे के सही इस्तेमाल से आप खुशियां भी खरीद सकते हैं। शोध में कहा गया है कि अगर आप अपने व्यक्तित्व के अनुसार पैसा खर्च करते हैं, तो इससे आपको वास्तव में खुशी का अहसास होगा। साथ ही अपनी जरूरतों के मुताबिक खर्च करने से आपकी जीवन की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। ब्रिटेन स्थित कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोध में पता चला है कि पैसा और संपूर्ण व्यक्तित्व के बीच हमेशा से ही कमजोर संबंध रहा है। शोध वास्तविक लेन-देन के आंकड़ों को खंगालते हुए इस तथ्य की नई जमीन तैयार करता है कि खर्च हमारी खुशी को बढ़ा सकता है। बशर्ते इसका इस्तेमाल सही वस्तुओं और सेवाओं पर किया जाए जो हमारे व्यक्तित्व के लिए उपयुक्त होने के साथ ही हमारी मनोवैज्ञानिक जरूरतों को भी पूरा करती हों।

तनाव कम करने में मददगार है चॉकलेट खाना

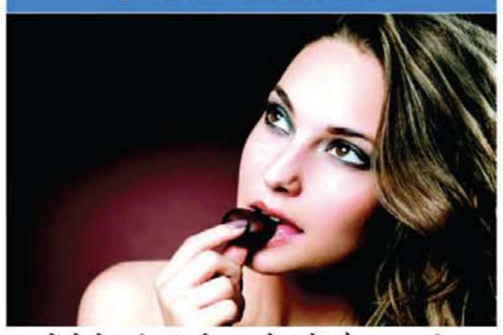

कोको से बनी चॉकलेट अपने गुणों और स्वाद की वजह से लगभग 100 सालों से ही टेस्टी ड्रिंक्स और चॉकलेट बार के रूप में फेमस रही है। चॉकलेट प्रेमी जानते हैं कि चॉकलेट मूड अच्छा रखने के साथ ही तनाव भी दूर करती है। इसके अलावा इसे खाने के और क्या-क्या फायदे हो सकते हैं इनके बारे में जानेंगे...।

दिल के लिए लाभदायक

साल 2010 में हुए एक सर्वे से पता चला है कि यह हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है, इसलिए चॉकलेट खाने से दिल की बीमारियों के होने की संभावना काफी कम हो जाती है। वहीं यूरोपीय सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा किए गए शोध में पाया गया है कि ज्यादा मात्रा में चॉकलेट खाने से दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। मूड अच्छा बनाए चॉकलेटऑस्ट्रेलियाई रिसर्चर्स द्वारा साल 2015 में किए गए स्टडीज के अनुसार, कोको का इस्तेमाल हेल्दी लोगों में शांति और संतोष बढ़ाता है। इसके अलावा यह मेंटली परफॉर्मेंस को बेहतर कर थकान कम करने में मदद करता है।

ज्यादा ठंडा पानी न पीएं...

गर्मी के मौसम का सबसे ज्यादा प्रभाव शरीर पर पड़ता है और हम इसे ठंडा रखने के लिए कई उपाय भी करते हैं. ठंडा पानी पीना सबसे सरल उपाय होता है लेकिन क्या आप जानते हैं आपकी यह आदत आपके दिल को नुकसान पहुंचा सकती है। ठंडा पानी भोजन की पाचन प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करता है क्योंकि इससे रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। इससे पाचन की प्रक्रिया धीमी पड़ने से खाना ठीक से नहीं पचता और हमें इसके पोषक तत्व भी नहीं मिल पाते। बर्फ का पानी या तेज ठंडा पानी पीने से हृदय की गति कम हो जाती है। ठंडा पानी वेगस तंत्रिका को उत्तेजित करता है। वेगस तंत्रिका 10वीं कपाल तंत्रिका है और यह शरीर के स्वायत्त तंत्रिका प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शरीर के अनैच्छिक कार्यों को नियंत्रित करती है। वेगस तंत्रिका हृदय की गति को कम करने में मध्यस्थता करती है और ठंडा पानी इस तंत्रिका को उत्तेजित करता है जिसके कारण हृदय की गति कम हो जाती है।

मिलावटी दूध से कैसे बचें...?

देश के तीन में से दो लोग डिटर्जेंट, कॉस्टिक सोडा, यूरिया और पेंट वाल दूध पीते हैं। देश में बिकने वाला 68 प्रतिशत दूध देश की खाद्य उत्पाद नियंत्रक संस्था एफएसएसएआई के मापदंडों पर खरा नहीं उतरता।

देश के 200,000 गांव से दूध एकत्रित करके बेचा जाता है। मिलावटी दूध से बचने का सबसे सटीक तरीका दूध उबालना है, जिससे सभी बैक्टीरिया मर जाते हैं। पिछले साल अमेरिका सरकार की एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2016 में बढ़ती आबादी के अनुपात में दूध की खपत में 5 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ यह 62.75 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। मिलावटी दूध का शरीर पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है। यूरिया, कॉस्टिक सोडा और इसमें मौजूद फोरमेलिन से गैस्ट्रोएंट्रटिटिस से लेकर इम्पेयरमेंट, दिल के रोग, कैंसर और मौत तक हो सकती है।

पानी की मिलावट

डिटर्जेंट से पाचन तंत्र की गड़बडियां और फूड पॉयजनिंग हो सकती है। उच्च एल्केलाइन से शरीर के तंतु क्षतिग्रस्त और प्रोटीन नष्ट हो सकते हैं। इन खतरों को देखते हुए बचाव जरूरी है। एफएसएसएआई के ताजा सर्वेक्षण के मुताबिक, दूध में पानी की मिलावट सबसे ज्यादा होती है, जिससे इसकी पौष्टिकता कम हो जाती है। अगर पानी में कीटनाशक और भारी धातुएं मौजूद हों तो ये सेहत के लिए खतरा है। दूध को उबालना इसका हल है।

इसके साथ ही 46 प्रतिशत सैंपल लो सॉलिड नॉट फैट की श्रेणी के पाए गए, जिसकी मुख्य वजह पानी की मिलावट है। गरमी के मौसम में दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए प्रयोग किए जाते स्किमड मिल्क पाउडर के 548 नमूनों में से 477 नमूनों में ग्लूकोज पाया गया। दूध के रख-रखाव और पैकेजिंग के समय साफ-सफाई का ध्यान न रखे जाने की वजह से आस पास प्रयोग हुआ डिटर्जेंट दूध में चला जाता है। कई बार यह जान बूझ कर डाला जाता है। 8 प्रतिशत नमूनों में डिटर्जेंट पाया गया।

इस तरह करें जांच

- **पानी:** ढलान वाली सतह पर दूध की एक बूंद डालें। शुद्ध दूध की बूंद धीरे-धीरे सफेद लकीर छोड़ते हुए जाएगी, जबकि पानी की मिलवाट वाली बूंद बिना कोई निशान छोड़े बह जाएगी।
- **स्टार्च:** लोडीन का टिंक्चर और लोडीन सॉल्यूशन में कुछ बूंदे डालें, अगर वह नीली हो जाएं तो समझे कि वह स्टार्च है।
- **यूरिया:** एक चम्मच दूध को टेस्ट ट्यूब में डालें। उसमें आधा चम्मच सोयाबीन या अरहर का पाउडर डालें। अच्छी तरह से मिला लें। पांच मिनट बाद, एक लाल लिटमस पेपर डालें, आधे मिनट बाद अगर रंग लाल से नीला हो जाए तो दूध में यूरिया है।
- **डिटर्जेंट:** 5 से 10 एमएल दूध को उतने ही पानी में मिला कर हिलाएं। अगर झाग बनता है तो इसमें समझिए डिटर्जेंट है।
- **सिन्थेटिक दूध:** सिन्थेटिक दूध का स्वाद कड़वा होता है, उंगलियों के बीच रगड़ने से साबुन जैसा लगता है और गर्म करने पर पीला हो जाता है। सिन्थेटिक दूध में प्रोटीन की मात्रा है या नहीं, इसकी जांच दवा की दुकान पर मिलने वाली यूरीज स्ट्रिप से की जा सकती है। इसके साथ मिली रंगों की सूची दूध में यूरिया की मात्रा बता देगी।

फिल्मों में तकनीक का ओवरडोज...

63वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हो चुकी है। हॉलीवुड की तरह अब बॉलीवुड की फिल्मों में भी तकनीक का कमाल देखा जा सकता है। किसी फिल्म में यह वाकई कमाल लगता है तो कहीं-कहीं ओवरडोज भी महसूस होता है। कहानी की मांग के बिना जबरन ठूंसा गया यह ओवरडोज फिल्म को फ्लॉप भी करा देता है। इस बारे में पिछले कई साल से फिल्म टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रहे तन्मय मसूरकर कहते हैं कि हम फिल्म टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निरंतर कुछ नया करने की कोशिश कर रहे हैं। अब यह तो फिल्मकारों की जिम्मेदारी है कि वे उसका कितना सटीक उपयोग करते हैं। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि फिल्म निर्माण में साउंड से लेकर स्पेशल इफेक्ट्स तक हर टेक्नोलॉजी एक सही सब्जेक्ट की मांग करती है। फिल्म के सब्जेक्ट में बेवजह इसका इस्तेमाल करने का कोई मतलब नहीं है।

सब्जेक्ट की मांग: बात वाजिब है। इसके लिए हॉलीवुड फिल्मों का अच्छा उदाहरण दिया जा सकता है। वहां ज्यादातर फिल्में ही ऐसी बनती हैं, जिसमें टेक्नोलॉजी के उपयोग की पूरी संभावना रहती है। और जहां सब्जेक्ट इस बात की डिमांड नहीं करता, वहां के फिल्मकार इस बात से साफ बचते हैं। इसके लिए टाइटैनिक का एक उदाहरण देना ही काफी होगा। इस तीन घंटे से ज्यादा लंबी रोमांटिक फिल्म के सब्जेक्ट में रोमांस इस कदर भरा हुआ है कि इसमें फिल्म टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल सिर्फइसके कैनवस को विस्तृत रंग देता है। भारतीय फिल्मकारों को भी इसी तरह से सोचना चाहिए। बाहुबली में इसका उपयोग दर्शनीय लगता है। पर पीकू में ऐसी कोई टेक्नोलॉजी सिर्फ निरर्थक होगी। क्योंकि पीकू एक सब्जेक्ट बेस्ड फिल्म है।

तकनीक एक हथियार: संजय लीला भंसाली की फिल्म बाजीराव मस्तानी भी ऐसी फिल्म है, जिसमें वीएफएक्स सहित दूसरी तकनीक का काफी इस्तेमाल किया गया। भंसाली टेक्नोलॉजी के हिमायती हैं। वे कहते हैं कि फिल्म मेकिंग में टेक्नोलॉजी के बढ़ते महत्व से मैं भी इंकार नहीं करता हूं। मगर यह फिल्म के हर सीन की जरूरत के मुताबिक होना चाहिए। बाजीराव मस्तानी के युद्ध दृश्यों में मैंने टेक्नोलॉजी का खुलकर उपयोग किया। पर इसका यह मतलब नहीं है कि लड़ाई के सीन को हमने सिर्फ वीएफएक्स स्टुडियो में फिल्माया है। इसके वॉर सीन की हमने एक महीने तक शूटिंग की थी। क्योंकि मेरा यह मानना है कि टेक्नोलॉजी सिर्फ फिल्म के सुंदर फिल्मांकन के लिए जरूरी है। वरना फिल्म तो डायरेक्टर का मीडियम होती है। टेक्नोलॉजी तो महज उसके काम का एक हथियार है। स्पेशल इफेक्ट्स तकनीक की मदद से इसके सारे फ्रेम को और ज्यादा भव्य बनाया गया।

पुरानी फिल्में हैं उदाहरण: आज ज्यादातर फिल्मों में ही तकनीक का कमाल देखने को मिल जाता है। हां, छोटे बजट की फिल्में इस तकनीक से थोड़ा बचती हैं, क्योंकि वीएफएक्स और दूसरी तकनीक का इस्तेमाल खर्चीला है। देखा जाये तो फिल्मों के जन्म के साथ ही फिल्म तकनीक को बढ़ावा मिलने लगा था। कभी महबूब खान, के.आसिफ, वी.शांताराम, राज कपूर आदि दिग्गज फिल्मकारों की नजर फिल्म के तकनीकी पक्ष पर भी होती थी। एक बार झनक-झनक पायल बाजे की शूटिंग से पहले वी.शांताराम के छायाकार जी.बालकृष्ण ने एक खास तरह के लेंस का हवाला देते हुए उनसे कहा था कि यदि यह मिल जाए तो अगली फिल्म की शूटिंग में बहुत सुविधा हो जाएगी। वी.शांताराम यानी अण्णा के जेहन में यह बात बैठ गई। उन दिनों वह लंदन जाने वाले थे। लौटते वक्त वह उस लेंस को अपने साथ ले आए थे।

बड़जात्या नहीं लेते सहारा

वर्तमान में ग्लोबल हो चुके फिल्मोद्योग ने समय के साथ ताल मिलाकर तकनीक के हर बदलाव को बखूबी अंजाम देना सीख लिया है। लेकिन फिल्मकार सूरज बड़जात्या तकनीक के ज्यादा गुलाम नहीं हैं। हालांकि उनकी फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में उन्होंने न चाहते हुए भी इस तकनीक का उपयोग किया है। इस फिल्म के छायाकार वी. मानिकनंदन इससे पहले रा-वन, ओम शांति ओम, मैं हूं ना, ये जवानी है दीवानी जैसी कई बड़ी फिल्मों का छायांकन कर चुके हैं। मानिकनंदन के मुताबिक सूरज उन निर्देशकों से भिन्न हैं जो अपने दृश्यों को संभालने के लिए तकनीक का सहारा लेते हैं। वे कहते हैं कि हम भारतीय छायाकार विदेशी तकनीशियनों से किसी भी मामले में कमतर नहीं हैं। सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है कि ये सारा कमाल हम बहुत सीमित साधन में कर दिखाते हैं।'

कैसी-कैसी तकनीक

डीआई तो सिर्फ एक तकनीक का नाम हुआ। वरना आज फिल्म की शूटिंग के दौरान चिप, वीएफएक्स, क्रोमा, एनीमेशन, थ्रीडी, ऑन लाइन एडिटिंग या स्मोक आदि ढेरों तकनीकी शब्दों को सुनना बेहद रूटीन सा हो गया है। मजेदार बात तो यह है कि ऐसी ढेरों तकनीक ने एक्शन से लेकर म्यूजिक रिकॉर्डिंग तक हर जगह अपनी जगह बना ली है। आज इस तकनीक की मदद से फिल्मों की भव्यता को एक बुलंदी दी जा रही है। स्पेशल इफेक्ट्स के सारे साधन स्टुडियो में उपलब्ध होते हैं।

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की फिल्म की शूटिंग हुई शुरू

सत्यमेव जयते, मस्ती 4 और मरजावां जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी एक और दमदार फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसकी शूटिंग लोकेशन की एक तस्वीर उन्होंने शेयर की और साथ ही फिल्म की रिलीज डेट से भी पर्दा उठाया है। देसी मूवी फैक्ट्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक क्लैप बोर्ड की तस्वीर दिखी दे रही है, जो साफतौर शूटिंग लोकेश की लग रही है। सामने समुद्र के अलावा एक बड़ा ब्रिज भी दिखाई दे रहा है। इस क्लैप बोर्ड पर लिखा है पहले दिन के पहले शॉट का पहला टेक। इसके साथ फिल्म मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, संगीत चार्ट पर धूम मचाने के बाद, सिनेमा की दुनिया में अपना पहला कदम रखने की घोषणा करते हुए हमें बहुत गर्व हो रहा है› सीटी, ताली, मसाला, संगीत, रोमांस के साथ हम अंशुल गर्ग की प्रोडक्शन नंबर 1 प्रस्तुत करते हैं, जिसके सह-निर्माता राघव शर्मा हैं, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने लिखा और निर्देशित किया है, जिसमें हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा मुख्य भूमिका में हैं और सह-लेखक मुश्ताक शेख हैं। इस पोस्ट में हालांकि की फिल्म के नाम को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन मीडियो रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म का नाम 'दीवानियत'होगा। इस फिल्म का निर्देशन और लेखन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। फिल्म को अंशुल गर्ग के प्रोडक्शन हाउस के तहत बनाया जाएगा।

कब शादी करेंगी तृषा कृष्णन? अभिनेत्री के जवाब ने किया हैरान

साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री तृषा कृष्णन अपनी शानदार एक्टिंग और हिट फिल्मों की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। ठग लाइफ और विश्वम्भरा जैसी बड़ी फिल्मों में उनके दमदार किरदारों की चर्चा जोरों पर है। हालांकि, उनकी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा उनकी निजी जिंदगी को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता बनी रहती है। हाल ही में तृषा ने अपनी शादी को लेकर ऐसा बयान दिया, जिसने सभी को हैरान कर दिया।

ठग लाइफ के प्रेस मीट में तृषा से उनकी शादी के प्लान्स के बारे में सवाल पूछा गया। इस सवाल का जवाब देते हुए तृषा ने साफ कहा, मुझे शादी के कॉन्सेप्ट में यकीन नहीं है। अगर शादी हो जाए तो ठीक और न हो तो भी कोई बात नहीं। उनके इस बयान ने फैंस को चौंका दिया, क्योंकि लोग लंबे समय से उनकी शादी की खबरों का इंतजार कर रहे थे। इससे पहले तृषा ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें वह हरी साड़ी में नजर आई थीं। उनके हाथ में एक बड़ी अंगूठी ने सबका ध्यान खींचा था। तृषा ने इस पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, प्यार हमेशा जीतता है। इस पोस्ट ने फैंस के बीच शादी और सगाई की अटकलों को जन्म दे दिया था। कई लोगों ने सोचा कि शायद तृषा अपनी शादी का हिंट दे रही हैं। लेकिन तृषा ने इन अटकलों पर कोई सफाई नहीं दी और अपने काम पर फोकस रखा।

इन फिल्मों में जल्द आएंगी नजर

निजी जिंदगी की चर्चाओं के बीच तृषा इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं। वह कमल हासन के साथ ठग लाइफ में नजर आएंगी, जो एक बड़े बजट की गैंगस्टर ड्रामा फिल्म है। इसके अलावा वह चिरंजीवी के साथ विश्वम्भरा और सूर्या के साथ आरजे बालाजी की फिल्म में काम कर रही हैं। हाल ही में वह अजित कुमार के साथ विदामुयार्ची और गुड बैड अग्ली में दिखी थीं। दोनों ही फिल्मों में उनकी एक्टिंग को खूब सराहना मिली थी।

इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में नजर आएंगी सोनाक्षी सिन्हा

ल ही में सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म निकता रॉय का पोस्टर रिलीज हुआ है। अभिनेत्री के इस फिल्म के पोस्टर ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। सोनाक्षी के तनाव और सीरियस लुक ने सभी को हैरान कर दिया है। फिल्म निर्माताओं द्वारा फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी गई है।

क्या है फिल्म का पोस्टर?

सोनाक्षी सिन्हा अपने दमदार लुक के साथ इस बार सिनेमाई पर्दे पर नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की आगामी फिल्म निकिता रॉय के पोस्टर ने उनके लुक के बारे में कई सवाल पैदा कर दिए हैं। इस पोस्टर में सोनाक्षी सिन्हा के अलावा अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर भी नजर आ रहे हैं। फिल्म के पोस्टर में सभी किरदार सस्पेंस लुक में दिख रहे हैं। यह फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

निकिता रॉय फिल्म का निर्देशन कुश एस सिन्हा कर रहे हैं, जो इस फिल्म से डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म रहस्य, मनोवैज्ञानिक थ्रिलर की कहानी के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। सोनाक्षी सिन्हा की ये फिल्म 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म को निक्की विक्की भगनानी फिल्म्स और निकिता पाई फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले बनाया जा रहा हैं। वहीं, इस फिल्म का प्रोडक्शन निक्की खेमचंद भगनानी, किंजल आहूजा घोन और विक्की भगनानी ने किया है।

फिल्म निर्माताओं ने दी प्रतिक्रिया

सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत फिल्म निकिता रॉय को लेकर फिल्म निर्माता निक्की और विक्की भगनानी ने कहा कि यह फिल्म उनके दिल के बहुत करीब है। यह फिल्म दर्शकों को वहां ले जाएगी, जहां मुख्यधारा की फिल्में नहीं ले जा पाती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि इस फिल्म के कलाकार अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म रिलीज के समय पर सिनेमाघरों में क्या कमाल करती है।

सामंथा रुथ प्रभु द्वारा निर्मित पहली फिल्म को लेकर आया बड़ा अपडेट

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अभिनय की दुनिया में कमाल करने के बाद अब फिल्म प्रोडक्शन में भी एंट्री कर चुकी हैं। सामंथा रुथ प्रभु और उनके प्रोडक्शन हाउस त्रालला मूविंग पिक्चर्स के बैनर तले शुभम फिल्म का निर्माण किया गया है, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है।

इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है कि फिल्म 09 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिनेत्री द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन वसंत मरिगंती और प्रवीण कंदरेगुला द्वारा किया गया है। एक निर्माता के रूप में अभिनेत्री की यह पहली फिल्म है। शुभम एक कॉमेडी फिल्म है, जो दर्शकों को गुदगुदाने का प्रयास करेगी।

द भूतनी से स्त्री की तुलना को लेकर सनी सिंह ने दिया जवाब

द भूतनी फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त और सनी सिंह ने मुख्य भूमिका निभाई है। हाल ही में जब सनी से फिल्म स्त्री और द भूतनी की तुलना को लेकर सवाल पूछा गया तो जानिए क्या दिया सनी ने मजेदार जवाब...

एक खबर के मुताबिक, एक इंटरव्यू के दौरान जब सनी से द भूतनी की तुलना स्त्री फिल्म से की गई तो इस पर उन्होंने कहा कि दोनों फिल्में हॉरर-कॉमेडी शैली की हैं, लेकिन उनकी कहानियां अलग हैं, भले ही उनकी दुनिया एक जैसी लगे। एक खबर के अनुसार, सनी सिंह का कहना है कि भूतनी की शूटिंग 2022 में हुई थी, जब स्त्री 2 इतनी चर्चा में नहीं थी। उन्होंने कहा, हॉरर-कॉमेडी में रोमांस आम है, लेकिन दोनों फिल्मों की कहानी एक दूसरे को अलग बनाती हैं। सनी के मुताबिक, द भूतनी में डर और हंसी दोनों का मजा मिलेगा और यह फिल्म खासतौर पर बच्चों को बेहद पसंद आएगी। द भूतनी के ट्रेलर रिलीज के बाद से ही प्रशंसकों में इस फिल्म की रिलीज को लेकर बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में कुछ दोस्त एक जुट होकर भूतनी (मौनी रॉय) का सामना करते हैं। फिल्म में संजय दत्त ने बाबा का किरदार निभाया है। वहीं मौनी रॉय ने मोहब्बत, सनी सिंह ने शांतनु, पलक तिवारी ने अनन्या और आसिफ खान भी नासिर के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म पहले 18 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

उर्वशी रौतेला पर फूटा रश्मि देसाई का गुस्सा

अभिनेत्री रश्मि देसाई ने उर्वशी रौतेला की जमकर आलोचना की है। दरअसल, हाल ही में उर्वशी ने दावा किया था कि उत्तराखंड में पवित्र बदरीनाथ धाम के पास एक मंदिर उनके सम्मान में बनाया गया है। इस टिप्पणी पर स्थानीय पुजारियों और निवासियों ने नाराजगी जताई। रिपोर्ट्स के मुताबिक मंदिर के इतिहास से जुड़े लोगों ने इसे भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत करार दिया।

बढ़ती नाराजगी के बीच रश्मि देसाई ने उर्वशी के दावे को गलत बताते हुए अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'यह दुखद है कि लोग इस तरह की बकवास के खिलाफ कार्रवाई भी नहीं करते...भारत में हिंदू धर्म एक मजाक बन रहा है।जब वह अपना जवाब दोहराती रहीं तो वह राजनीतिक रूप से सही थीं।' रश्मि ने आगे कहा, 'भारत का प्रतिनिधित्व करना और जानबूझकर बेतुकी बातें करना...यह दुखद है कि कृपया धर्म के नाम पर खेल न खेलें।'

क्या कहा था उर्वशी रौतेला ने?

हाल ही में उर्वशी रौतेला का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में वह सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक साक्षात्कार में कहती हैं, 'उत्तराखंड में मेरे नाम पर एक मंदिर है। अगर कोई बदरीनाथ जाता है, तो उसके ठीक बगल में एक उर्वशी मंदिर है।' उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों सहित भक्तगण इस स्थल पर आते हैं, उनकी तस्वीरों पर माला चढ़ाते हैं और उन्हें 'दमदमई' कहते हैं। उर्वशी ने जोर देकर कहा कि उनका दावा सही है, उन्होंने कहा, मैं इस बारे में गंभीर हूं। यह सच है। इस बारे में समाचार लेख भी हैं।

उर्वशी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वहां के स्थानीय लोगों और धार्मिक अधिकारियों को यह टिप्पणी पसंद नहीं आई। बदरीनाथ धाम के पूर्व धार्मिक अधिकारी भुवन चंद्र उनियाल ने स्पष्ट किया कि उर्वशी मंदिर अभिनेत्री से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह हिंदू पौराणिक कथाओं की एक दिव्य आकृति देवी उर्वशी को समर्पित एक प्राचीन मंदिर है। कुछ मान्यताओं में देवी सती का एक रूप है। उन्होंने उर्वशी के खिलाफ उनके बयान के लिए सख्त कार्रवाई की मांग की। हालांकि, उर्वशी ने अभी तक इस पर अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

छोटे से करियर में बाबिल ने निभाए चुनौतीपूर्ण किरदार

दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'लॉगआउट' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया के फैले जाल को दिखाती इस फिल्म में बाबिल खान एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बने हुए हैं। जो ऑनलाइन पॉपुलर्टी और असल जीवन की पहचान के बीच संघर्ष करता है।

फिल्म में बाबिल के अभिनय की तारीफ की जा रही है। बाबिल ने अब तक अपने छोटे से करियर में अलग-अलग तरह के चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं। अपनी फिल्मोग्राफी से वो ये दर्शा रहे हैं कि वो साधारण रोल करने की बजाय अपने पिता के नक्शेकदम पर चलना चाह रहे हैं। इसलिए वो लीक से हटकर किरदार निभा रहे हैं।

कला (लोक गायक)

बाबिल खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2022 में आई फिल्म 'कला' से की थी। अनविता दत्त द्वारा निर्देशित यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म में बाबिल ने जगन नाम के एक लोक गायक का किरदार निभाया था। यह किरदार मास्टर मदन से प्रेरित है, जो एक महान लोक गायक थे। फिल्म की कहानी 1930-40 के दशक की मशहूर गायिका कला के जीवन पर आधारित है और जगन कला के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फिल्म का विषय काफी अलग था और बाबिल के अभिनय की काफी प्रशंसा भी हुई थी।

द रेलवे मैन (लोको पायलट)

साल 2023 में आई नेटफ्लिक्स की सीरीज 'द रेलवे मैन' भोपाल गैस त्रासदी में रेलवे कर्मचारियों की भूमिका पर आधारित है। इस सीरीज में बाबिल खान ने इमाद नाम के लोको पायलट का किरदार निभाया है। जिसकी ज्वाइनिंग के पहले ही दिन भोपाल गैस त्रासदी हो जाती है और वो रेलवे प्लेटफॉर्म पर फंसे लोगों की जान बचाने में जुट जाता है। चार एपीसोड की इस वेब सीरीज में बाबिल ने केके मेनन और आर माधवन जैसे दमदार कलाकारों के बीच भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस सीरीज को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों के द्वारा काफी सराहा गया था। साथ ही बाबिल के काम की भी काफी तारीफें हुई थीं।

फाइडे नाइट प्लान (शांत-शालीन छात्र)

'फाइडे नाइट प्लान' किशोरावस्था के दो भाइयों की कहानी है। जिनमें एक काफी शालीन और शांत है, जबकि दूसरा थोड़ा तेज है। एक दिन अपनी मां की गैरमौजूदगी में दोनों भाई फाइडे नाइट एंजॉय करने का प्लान बनाते हैं। फिर क्या होता है, ये इस फिल्म की कहानी है। फिल्म में बाबिल ने सिड मेनन का किरदार निभाया है, जो एक शांत और जिम्मेदार छात्र है। जो अपनी मां की गैरमौजूदगी में अपने छोटे भाई के साथ एक फाइडे नाइट पार्टी में जाता है। इस साधारण सी कहानी में बाबिल ने अच्छा काम किया है।

लॉगआउट (सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर)

बाबिल की हालिया रिलीज लॉगआउट भी ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। फिल्म में बाबिल ने प्रत्युष नाम के एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर का किरदार निभाया है। फिल्म डिजिटल दुनिया की प्रतिस्पर्धा और नकली पहचान के पहलुओं को उजागर करती है। कैसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व्यूज और फॉलोअर्स के पीछे भागते हैं। फिल्म में बाबिल के अभिनय की काफी तारीफ हो रही है।

रेट्रो के बाद वादीवासल पर काम शुरू करेंगे सूर्या

कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित फिल्म रेट्रो 1 मई को रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में सूर्या और पूजा हेगड़े की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म के अलावा साउथ अभिनेता सूर्या के पास निर्देशक वेत्रिमारन की फिल्म वादीवासल भी है, जिसे लेकर नई जानकारी सामने आई है। अभी तक सूर्या की फिल्म वादीवासल की शूटिंग शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन इस फिल्म के निर्देशक वेत्रिमारन ने फिल्म के एनिमेट्रॉनिक्स पर ज्यादा ध्यान देने के साथ ही इसके प्री-प्रोडक्शन पर भी काफी समय दे दिया है, जिसकी वजह से फिल्म की शूटिंग में देरी हो गई है। निर्माता कलैपुली एस. थानू के अनुसार, वह वादीवासल को 2026 की गर्मियों के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं। यह फिल्म मई या फिर जून 2026 में रिलीज हो सकती है। वादीवासल तमिलनाडु के सबसे मशहूर पारंपरिक खेल जल्लीकट्टू पर आधारित है।

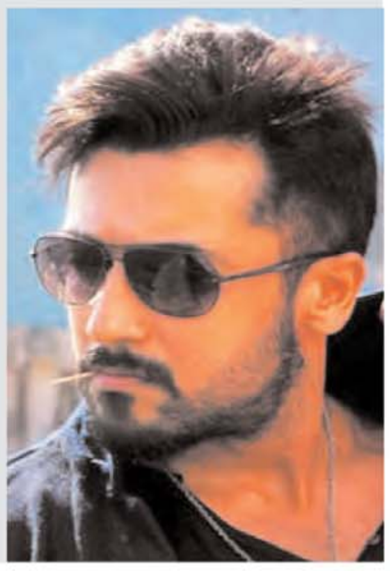

सीईओ ने स्वास्थ्य निरीक्षक व सुपरवाइजर को किया निलंबित

दो कंपनियों पर 6 लाख रुपये का जुर्माना, एपीई का वेतन रोकने का निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने संबंधित अधिकारियों के साथ सेक्टर-104, 105,110 , गेझा , भंगेल और भंगेल रोड का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान भंगेल सलारपुर व यथार्थ अस्पताल के सामने मुख्य नाले में फ्लोटिंग व सिल्ट पाया गया। सफाई नहीं करने पर कंपनी अर्मित कंस्ट्रक्शन पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। सलारपुर में कई स्थानों पर सीएंडडी वेस्ट पाया गया।

जिसे हटाने का निर्देश दिए गए। जन स्वास्थ्य द्वितीय के क्षेत्र सर्किल-8 के रास्तों में कूड़ा मिला। नालियां ओवर फ्लो मिली। ऐस में सुपरवाइजर श्यामवीर, स्वास्थ्य निरीक्षक राकेश कुमार भाटी को निलंबित करने के लिए पत्र जारी किया गया। वहीं राहुल कुमार सहायक परियोजना अभियंता जन स्वास्थ्य द्वितीय का वेतन रोकने का आदेश जारी किया गया।

सेक्टर-82 व 110 के बीच मुख्य मार्ग और सेक्टर-105, 108 के बीच का रास्ता, सेक्टर-137 व सेक्टर-141 के बीच, सेक्टर-108,110 की सर्विस रोड पर कूड़े के ढेर मिले। साफ-सफाई नहीं करने पर मॉडर्न इंटरप्राइजेज पर 5 लाख की पेनाल्टी लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके अलावा सेक्टर-140,140ए, 90, 138 चौराहों का सुधार कार्य प्रगतिरत पाया गया। यहां आरसीसी सामग्री की जांच की गई। बालू की गुणवत्ता सहीं नहीं मिलने पर जुर्माना लगाया गया।

लोटश पनाश और महर्षि आश्रम द्वारा बिना शोधित किए पानी सीधे नाले में डाला जा रहा था। ऐसे में सोसाइटी की सीवर लाइन को बंद करते हुए सोसाइटी पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देशर दिए गए। साथ ही मेरठ स्थित चिट फंड कार्यालय में दायित्व को पूरा नहीं करने के कारण सोसाइटी का पंजीकरण निरस्त करने के लिए पत्राचार करने को कहा गया।

नोएडा मीडिया क्लब के चुनाव की घोषणा, 11 मई को डाले जाएंगे वोट

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर में कार्यशील मीडिया कर्मियों की संस्था नोएडा मीडिया क्लब के चुनाव की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है।

निर्वाचन अधिकारी- सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता गौतमबुद्धनगर ने चुनाव की प्रक्रिया तथा मतदान की तिथि की घोषणा की है। नोएडा मीडिया क्लब की चुनाव के लिए पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। नोएडा मीडिया क्लब की नई के गठन के लिए चुनाव अधिकारी ने संपूर्ण कार्यक्रम की घोषणा कर दी है।

6 मई को दाखिल किए जाएंगे नामांकन

नोएडा मीडिया क्लब के लम्बे समय से अटके हुए चुनाव की विधिवत घोषणा कर दी गई है। नोएडा मीडिया क्लब के चुनाव सम्पन्न कराने के लिए सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता गौतमबुद्धनगर को चुनाव अधिकारी नामित किया गया है। नोएडा मीडिया क्लब की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए मतदान 11 मई 2025 (रविवार) को होगा और उसी दिन दोपहर 3.00 बजे वोटों की गिनती की जाएगी।

चुनाव अधिकारी ने कार्यक्रम की घोषणा करते हुए बताया कि चुनाव प्रक्रिया 2 मई 2025 सुबह 11.00 बजे से शुरू होगी। इस दिन अंतिम मतदाता सूची का प्रदर्शन किया जाएगा। 4 मई को दोपहर 11 बजे से 2.00 बजे तक मतदाता सूची पर आपत्तियां, 5 मई को मतदाता सूची पर प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण तथा 5 मई को ही शाम 5.00 बजे अंतिम मतदाता सूची नोटिस बोर्ड पर लगाएगी जाएगी। 6 मई को नामांकन पत्र का वितरण सुबह 11 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक किया जाएगा। 6 मई को दोपहर 2 बजे से 3 बजे तक नामांकन दाखिल किए जाएंगे। 6 मई को ही 3 बजे से 3.30 बजे तक प्राप्त नामांकन-पत्र प्रदर्शित किए जाएंगे। 6 मई को शाम 4 बजे से 5 बजे तक नामांकन-पत्रों का परिनिरीक्षण किया जाएगा। नामांकन-पत्रों पर आपत्ति दाखिल करने के लिए 8 मई को सुबह 11 से 01.00 तक का समय निर्धारित किया गया है। 8 मई को ही दोपहर 3.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक नामांकन वापिस लिया जा सकता है। 8 मई को सायं 5 बजे अंतिम नामांकन पत्रों का प्रकाशन किया जाएगा।

निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 11 मई 2025 को सुबह 9.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक नोएडा मीडिया क्लब की नई कार्यकारिणी के लिए वोटिंग की जाएगी। 11 मई को ही मतगणना 3 बजे से शुरू होगी और उसी दिन परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने पर

सांची भाटिया को डीएम ने किया सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने मिलेनियम स्कूल, सेक्टर-119 की छात्रा सांची भाटिया को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने पर सम्मानित किया गया। सांची भाटिया ने महज 5 वर्ष और 4 माह की उम्र में अंग्रेजी वर्णमाला को उल्टे क्रम (Z से A) में मात्र 4 सेकंड में सुनाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। इस उपलब्धि को 27 फरवरी, 2025 को आधिकारिक मान्यता प्राप्त हुई तथा उन्हें 8 अप्रैल, 2025 को 'IBR अचीवर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रिकॉर्ड दर्ज करते समय सांची केजी कक्षा की छात्रा थीं, जो अब कक्षा 1 में पदोन्नत हो चुकी हैं। अपने विद्यालय में वे अपने उत्साही व्यक्तित्व, सहयोगी व्यवहार और नवीन मित्रता की प्रवृत्ति के लिए जानी जाती हैं। उनका मिलनसार स्वभाव उन्हें सभी में प्रिय बनाता है।

सांची नोएडा के सेक्टर-120 स्थित आम्रपाली जोडिएक सोसायटी में अपने परिवार के साथ निवास करती हैं। उनके पिता एक अकाउंट्स प्रोफेशनल हैं और माता बेसिक शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं।

भारत शिक्षा एक्सपो का आयोजन 24-26 तक

नोएडा (चेतना मंच)। अपनी पहली अभूतपूर्व सफलता के बाद, भारत शिक्षा एक्सपो 2025 एक बार फिर से लौट रहा है। इसका दूसरा संस्करण 24 से 26 अप्रैल 2025 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड माई, नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा, एनसीआर-दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

7,000 वर्ग मीटर में फैले इस एक्सपो में विश्वविद्यालय, कॉलेज और संस्थान अपनी विश्वस्तरीय सुविधाएं, गुणवत्ता पूर्ण शैक्षणिक प्रणालियों और तकनीक प्रस्तुत करेंगे। इसके साथ ही, स्टडी अब्रॉड कंसल्टेंट्स, कोचिंग संस्थान, एजु-सेवा प्रदाता, एजुकेशन लोन और स्कॉलरशिप से संबंधित सेवाएं भी प्रदर्शित की जाएंगी।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन गौतमबुद्धनगर मंगलेश दुबे द्वारा इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में भारत शिक्षा एक्सपो 2025 के भव्य द्वितीय संस्करण की तैयारियां को लेकर प्रेस वार्ता करते हुए गौतमबुद्धनगर को एनसीआर के एक प्रमुख नॉलेज हब के रूप में स्थापित करने के प्रयासों की सराहना की।

चेयरमैन, इंडिया एक्सपोजीशन मार्ट लिमिटेड डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि भारत शिक्षा एक्सपो अब शिक्षा क्षेत्र के देश-विदेश के हितधारकों के लिए एक प्रतिष्ठित आयोजन बन गया है।

नैनीताल बैंक से 16 करोड़ रुपए की ठगी में विदेशी नागरिक गिरफ्तार, लाखों की मिली ड्रग्स

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में नैनीताल बैंक से 16 करोड़ रुपए की ठगी के मामले में नोएडा पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। नोएडा पुलिस ने ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए एक विदेशी नागरिक सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से कैश, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बैंकों की पासबुक भी बरामद की गई है। गिरफ्तार किए गए विदेशी नागरिक से हाईक्वालिटी की ड्रग्स भी बरामद हुई है। जिसकी बाजार में कीमत 20 लाख रूपये है।

डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने एक प्रेसवार्ता में बताया कि जून 2024 में नोएडा के नैनीताल बैंक का सर्वर हैक करके लगभग 16 करोड रूपए की ठगी की गयी थी। इसी मामले की जांच कर रही नोएडा पुलिस ने पहले भी कई ठगों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि इस ठगी में कुछ विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। पुलिस ने इस मामले में एक नाइजीरियन नागरिक एलेक्स व शहनवाज सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि जब एलेक्स के ठिकाने पर छापा मारा गया तो उसके घर से दो युवकों को भी पकड़ा जो एलेक्स से ड्रग्स लेने आए थे। एलेक्स के पास से 60 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स मिली जिसकी बाजारू कीमत 20 लाख रूपए है।

उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि एलेक्स ठगी के पैसे शाहबेज उर्फ शानू नामक व्यक्ति को निकालकर देता था। ठग गिरोह के सदस्य बैंक एकाउंट की लेयरिंग करके ठगी के पैसे निकालते थे। कुछ खाते फेंक थे और कुछ खाते इन्होंने गरीबों की मदद के नाम पर लिए थे। अब तक इस मामले में 3 करोड़ रूपये से ज्यादा की रिकबरी हो चुकी है।

धूमधाम से मनाया पंजाबी समाज वेलफेयर सोसाइटी ने बैशाखी उत्सव

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा अथॉरिटी के सेक्टर-46 स्थित सामुदायिक भवन में पंजाबी समाज वेलफेयर सोसाइटी ने बैशाखी उत्सव का आयोजन किया। जिसमें अतिथि के रूप में नोएडा एन्टरप्रेनर एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन, पंजाबी समाज के वरिष्ठ समाज सेवी दीपक विग, नोएडा फोनरवा के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा ने भाग लिया।

पंजाबी समाज वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव अरुण भाटिया ने अपनी टीम का परिचय करवाया। सोसाइटी के अध्यक्ष राजीव कुमार ने संस्था के उद्देश्य को बिरादरी के समक्ष रखते हुए सभी से सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर सेक्टर की प्रमुख हस्तियों एस.एस. घई, डा. डी.डी. अरोड़ा, प्रीत कोचर, विजय बावेजा, अविनाश सभरवाल, गगनीश अरोड़ा, राजेश आहुजा, रणधीर सिंह उर्फ टीटा, राजीव कालड़ा, योगेश मलिक, मोन्टी कक्कड़, पी.के. जोली, डा. मनजीत, एस.के. गेरा, सुरेन्द्र वशिष्ठ, राकेश शर्मा, संजीव दीक्षित, संजीव मलिक, मुकेश भाटिया, वीना शर्मा, वी.आर. शर्मा, अनीता ढांड, नरेश महता, सतीश महता, बी.एल. ग्रोवर, ओ.पी. बाखरू, ओ.पी. नंदा, आलोक गोस्वामी, सुरेन्द्र रहेजा, सत्य पाल खत्री, गुरविन्द्र सिंह, परमिंदर सिंह, गुलशन ग्रोवर, वी.के. महरा, एच.सी. अरोड़ा, मनीष सेतिया, अश्विन शर्मा, पियुष कोहली, बी.एस. अरोड़ा आदि ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

फुले दंपत्ति पर बनी फिल्म पर रोक के खिलाफ 'आप' का विरोध प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले के जीवन और संघर्षों पर आधारित फिल्म पर सेंसर बोर्ड द्वारा लगाई गई रोक के विरोध में आज आम आदमी पार्टी, उत्तर प्रदेश इकाई ने जिलाध्यक्ष राकेश अवाना के नेतृत्व में सेक्टर-19, नोएडा स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के उपरांत पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन गजेटेड ऑफिसर शुलभ राठी को सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि फुले दंपत्ति के क्रांतिकारी विचारों और समाज सुधार के कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए फिल्म पर लगाई गई रोक को अविलंब हटाया जाए।

जिलाध्यक्ष राकेश अवाना ने कहा कि महात्मा फुले और माता सावित्रीबाई फुले का जीवन सामाजिक जागरूकता, समानता और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए ऐतिहासिक योगदान का प्रतीक है। उन पर बनी फिल्म को रोकना सामाजिक न्याय के विरुद्ध है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना ने कहा कि फुले दंपत्ति आज के युवाओं के आदर्श हैं। उनके विचारों को दबाने का प्रयास हमारे लोकतंत्र की आत्मा को आहत करता है। इस अवसर पर किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कमांडो, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर जिला महासचिव कैलाश शर्मा,जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटी,जिला उपाध्यक्ष राहुल सेठ, जिला सचिव प्रवीण धीमान,जिला सचिव जयकिशन जयसवाल,जिला सचिव विजय श्रीवास्तव,युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष गौरव गौतम, पवन अवाना, नोएडा विधानसभा अध्यक्ष नितिन प्रजापति,नोएडा विधानसभा उपाध्यक्ष सतीश गौतम,राजेंद्र तोमर,अमर सिंह,मनोज ठाकुर,शंकर सिंह,गुडडू, बीएचएन कुमार,सिकंदर ठाकुर,माधव मिश्रा, आलम, विशाल सिंह एवं आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।